दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 63
मुरादाबाद
23 June 2025
(Monday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

PM मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन से की बातचीत, क्षेत्र में बढ़े तनाव पर जताई चिंता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान-इस्राइल संघर्ष के बीच ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत की। इसे लेकर पीएम मोदी ने एक्स पर जानकारी दी है। पीएम ने लिखा- हमने मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से चर्चा की है और हाल ही में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। ईरान-इस्राइल संघर्ष के बीच अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमला किया गया। वहीं आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चमि एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हालिया घटनाक्रमों पर गंभीर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में साझा की है। पीएम मोदी ने लिखा- हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हालिया तनावों पर गहरी चिंता व्यक्त की। तुरंत तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने का आह्वान दोहराया, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता शीघ्र बहाल हो सके। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट का समाधान हैं।पीएम मोदी और मसूद पेजेशकियन के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें क्षेत्र में शांति की बहाली पर टिकी हैं।अमेरिकी हमलों ने बढ़ाया खतरा- संयुक्त राष्ट्र उधर, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के हमलों से गंभीर रूप से चिंतित हैं। अब इस बात का खतरा बढ़ रहा है कि इस्राइल-ईरान संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है। इसके नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए भयावह परिणाम होंगे। मैं सदस्य देशों से तनाव कम करने का आह्वान करता हूं। कोई सैन्य समाधान नहीं है। आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता कूटनीति है।पश्चिम एशिया में सैन्य हस्तक्षेप से बढ़ती है अस्थिरता- चीन चीन की सरकारी मीडिया ने कहा कि अमेरिकी हमले एक खतरनाक मोड़ हैं। 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण का हवाला देते हुए सीजीटीएन के लेख में कहा गया है कि इतिहास ने बार-बार दिखाया है कि मध्य पूर्व में सैन्य हस्तक्षेप अक्सर अनपेक्षित परिणाम उत्पन्न करते हैं। इनमें लंबे समय तक संघर्ष और क्षेत्रीय अस्थिरता शामिल है। इसलिए जरूरी है कि बातचीत को प्राथमिकता देते हुए संतुलित, कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात बनेगा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का पावर हाउस, सीएम भूपेंद्र पटेल ने किया GECMS पॉलिसी का एलान

केंद्र सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) अंतर्गत मंजूर हुए प्रोजेक्ट्स को गुजरात में प्रोजेक्ट स्थापना के लिए केन्द्रीय सहायता की 100 प्रतिशत सहायता प्राप्त होगी। केंद्रीय मंत्रालय मान्यता प्राप्त प्रोजेक्ट्स को एक ही मान्यता से केन्द्र-राज्य का दोहरा सहायता प्रोत्साहन लाभ मिलेगा। एमईआईटीवाई की मंजूरी से वितरण तक गुजरात सरकार की ईसीएमएस का लाभ भी समानांतर मिलेगा, 30 दिन में प्रोत्साहन सहायता का भुगतान कर दिया जाएगा। ईसीएमएस अंतर्गत टर्नओवर से जुड़े प्रोत्साहन 6 वर्ष के लिए प्रदान किए जाएंगे। राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 35 हजार रुपए से अधिक के नए निवेश तथा अधिकाधिक हाईस्किल्ड एम्प्लॉयमेंट का लक्ष्य।मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात की पॉलिसी ड्रिवन स्टेट के रूप में स्थापित हुई इमेज को व्यापक बनाने के लिए एक और पॉलिसी 'गुजरात इलेक्ट्रॉनिक्स कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी 2025 (जीईसीएमएस)' की घोषणा की है।ं इलेक्ट्रॉनिक्स तथा इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा मंजूरी तथा सहायता प्राप्त इकाइयों को गुजरात में भी केन्द्रीय मानदंड के अनुसार 100 प्रतिशत सहायता प्रोत्साहन मिलेगा।

सरकार बनी तो पुलिस में महिलाओं की भर्ती के लिए ढांचागत बदलाव करेंगे

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार आने पर पुलिस बल में महिलाओं की भर्ती के लिए ढांचागत बदलाव करेंगे। उन्होंने कहा कि ईरान-इस्राइल युद्ध में भारत को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए।सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 चुनाव को लेकर बड़ा वादा किया है। उन्होंने कहा कि अगर 2027 में यूपी में सपा की सरकार बनी तो पुलिस विभाग में महिलाओं की भर्ती के लिए हम ढांचागत बदलाव करेंगे। अखिलेश यादव रविवार को सपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सपा सांसद डिंपल यादव समेत पार्टी की अन्य महिला नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।अखिलेश यादव ने ईरान - इस्राइल युद्ध पर कहा कि भारत को दूसरे देशों में फंसे अपने नागरिकों को वापस लाना चाहिए। इस युद्ध में भारत को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए लेकिन अगर मुश्किल वक्त में मित्र देश के साथ खड़े नहीं होते हैं तो यह हमारी विदेश नीति के साथ धोखा है। अच्छे समय पर सब मित्र होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जेपीएनआईसी बेचना चाहे तो तो बेच सकती है। हम खरीदना चाहते हैं। एलडीए वीसी को पार्टी की ओर से चिट्ठी भेजने के लिए कहा गया है। मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए योजना बना रही है भाजपा अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा मंदिर के चंदे पर कब्जा करने के लिए नई योजनाएं बना रही है। धरती पर इतने मंदिर कभी भी नहीं तोड़े गए हैं जितने भाजपा राज में तोड़े गए हैं। बनारस में पुराने मंदिरों को तोड़ा गया है। वहीं, वेनिस समेत तमाम शहरों में पुरानी गलियों को संरक्षित किया गया है।

क्या इसलिए ट्रंप को नोबल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की थी? ओवैसी ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

अमेरिका ने बीती रात ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। यह कदम अमेरिका द्वारा गुआम में कई बी-2 स्टील्थ बॉम्बर जेट भेजने के बाद उठाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान परमाणु स्थलों पर हमलों का एलान किया और ईरान को शांति की राह लौटने की हिदायत दी।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (ढ्ढस्ढ्ढरू) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप और उन्हें नोबल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश करने वाले पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने इस्राइलल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिका की एंट्री पर कहा कि क्या इसीलिए पकिस्तान ने ट्रंप को शांति पुरस्कार देने की सिफारिश की थी। क्या इसीलिए पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ लंच किया था? आज वे सभी बेनकाब हो गए हैं।अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन ईरान पर अमेरिकी हमलों पर एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, %यह अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है। ऐसा करके मुझे यकीन है कि आने वाले पांच साल में ईरान एक परमाणु राज्य बन जाएगा। हमले से पहले ईरान ने अपने भंडार को स्थानांतरित कर दिया होगा।

यह एक निवारक नहीं होगा। अब कई अरब देश सोचेंगे कि उन्हें परमाणु क्षमता की जरूरत है।%परमाणु हथियार होने के बारे में सिर्फ अफवाह फैलाई गई उन्होंने कहा कि हमें यह भी याद रखना चाहिए कि 16 मिलियन से अधिक भारतीय खाड़ी और मध्य पूर्व में रहते हैं। अगर उस क्षेत्र में युद्ध छिड़ जाता है, जो दुर्भाग्य से बहुत संभव है, तो इसका वहां रहने वाले भारतीयों पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। भारतीय कंपनियों ने इन सभी अरब देशों या खाड़ी देशों में जो निवेश किया है और विदेशी निवेश का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। ईरान के पास परमाणु हथियार होने के बारे में सिर्फ अफवाह फैलाई गई। इराक में भी यही किया गया था, सामूहिक विनाश के हथियार वगैरह वगैरह। कुछ भी नहीं निकला। %हमारी सरकार अमेरिका की इस एकतरफा बमबारी की निंदा करेगी% असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अमेरिका की ओर से किए गए इस हमले से नेतन्याहू को मदद मिली है, जो फलस्तीनियों का कत्लेआम करने वाला है। गाजा में नरसंहार हो रहा है और अमेरिका को इसकी कोई चिंता नहीं है।

अमेरिका की नीति केवल इस्राइली सरकार के अपराधों को छिपाने की है। गाजा में जो हो रहा है, वह नरसंहार है और कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है। कोई यह क्यों नहीं पूछ रहा है कि इस्राइल के पास कितने परमाणु भंडार हैं? ईरान में इन तीन या चार जगहों पर अमेरिकी बमबारी करने से वे नहीं रुकेंगे। मेरे शब्दों पर ध्यान दें, ईरान भी अगले 5 से 10 वर्षों में ऐसा करेगा, दूसरे देश भी ऐसा करेंगे क्योंकि अब उन्हें एहसास हो गया है कि परमाणु बम और परमाणु हथियार होना ही इस्राइल के वर्चस्व के खिलाफ एकमात्र निवारक है। मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार अमेरिका की इस एकतरफा बमबारी की निंदा करेगी, जो अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है। मुझे उम्मीद है कि सरकार ईरान के परमाणु संयंत्रों पर बमबारी की निंदा करेगी, जो आज हुई है।ओवैसी के निशाने पर पाकिस्तान क्यों आया? दरअसल, पाकिस्तान 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश करने वाला है।

उसका कहना है कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ट्रंप के कूटनीतिक दखल और मध्यस्थता ने बड़े युद्ध को टालने में मदद की। यह आधिकारिक एलान ट्रंप के व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मेजबानी के तीन दिन बाद किया गया। नोबेल के लिए नामित करने के वादे पर ही मुनीर को आमंत्रित किया गया था गौरतलब है कि पाकिस्तान की ओर से नोबेल के लिए ट्रंप को नामित करने के वादे पर ही मुनीर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया गया था। ट्रंप लगातार दावा करते रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष को रुकवाया। हालांकि, भारत उनके दावे को सिरे से खारिज कर चुका है। यह भी साफ करता रहा है कि भारतीय सेना के भीषण जवाबी हमले के कारण पाकिस्तान को संघर्ष रोकने के लिए गुहार लगानी पड़ी।

बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना-मनसे गठबंधन की चर्चा तेज, राउत बोले- फैसला सिर्फ ठाकरे भाइयों का होगा

मुंबई नगर निगम चुनाव से पहले शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के संभावित गठबंधन पर संजय राउत का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन का निर्णय सिर्फ उद्धव और राज ठाकरे लेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति में नए आए मनसे नेताओं की टिप्पणी अहम नहीं है, मैं वर्षों से ठाकरे भाइयों को जानता हूं।मुंबई में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के बीच संभावित गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। इस पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला सिर्फ उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ही लेंगे।पत्रकारों से बातचीत के दौरान संजय राउत ने कहा कि मनसे के कुछ नेता जो गठबंधन का विरोध कर रहे हैं, वे राजनीति में हाल ही में आए हैं। उन्हें बोलने का कोई अधिकार नहीं है। राउत ने कहा कि मैं वर्षों से ठाकरे भाइयों को करीब से जानता हूं और मुझे अच्छी तरह पता है कि क्या होगा और क्या नहीं।राज ठाकरे ने की थी सीएम फडणवीस से मुलाकात बता दें कि यह बयान मनसे नेता संदीप देशपांडे की आलोचनात्मक टिप्पणी के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) पर निशाना साधा था। जहां हाल ही में राज ठाकरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुंबई के एक होटल में मुलाकात की थी, जिससे यह चर्चा और तेज हो गई कि वे भाजपा के साथ फिर से हाथ मिला सकते हैं।ठाकरे भाइयों के बीच फिर से मेल-मिलाप की संभावना गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राज ठाकरे ने भाजपा और महायुति को समर्थन दिया था,

जबकि पहले वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आलोचक माने जाते थे। हालांकि अब, ठाकरे भाइयों के बीच फिर से मेल-मिलाप की संभावना जताई जा रही है। इसको लेकर राज ठाकरे ने कहा है कि मराठी मानुष के हित में एक होना मुश्किल नहीं है। वहीं, उद्धव ठाकरे ने भी कहा है कि अगर महाराष्ट्र विरोधी तत्वों को शामिल नहीं किया गया, तो वह पुरानी बातों को भुलाकर आगे बढ़ने को तैयार हैं।

संपादकीय Editorial

Himachal's Pahalgam

As soon as the government reaches here, closed files open up, the state's budget and plans open their eyes and the priorities of development start new exercises. All the areas that Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu has measured so far in 'Government at the Gate of Village' are also the turning points of the new economy in the lap of their specialties. It is a different matter that right now, the hopes signing the Procession have come to the fore in the nature of Chamba, Lahaul-Spiti, Kullu and Kinnaur. Now, the steps that reach Baga Sarahan stop. When nature makes its presence felt by chaining its beauty, the Chief Minister's camp makes it the 'Government's Gate of Tourism'. When for the first time the desire for tourism walks with the government, then many Pahalgams start walking with it simultaneously in the reflection of possibilities. The government has reached, but how will the tourists reach, because it is not easy to connect the map of this area directly with the road journey. At present, all connectivity is possible only through the difficult route of Rampur Bushahr and Nirmand, whereas this place, which faces Kullu, needs a simple road. We have been saying time and again that some tourist routes should be identified in the hill states. In this context, if the distance of about thirty kilometers from Kullu to Baga Sarahan is bridged, then the entire tourism will forget the magic of Kashmir valley. Long ago, when Shanta Kumar was the Chief Minister of the state, he saw the development of Khajjiar on the path of Switzerland, but nothing has happened till date. If seen, even in the ADB-sponsored projects, instead of developing a tradition of tourism development, there was only wasteful expenditure or many possibilities were lost due to political favoritism. This is the surprise that places like Baga Sarahan are being neglected. The previous government had started three ambitious projects under 'Nayi Rahein-Nayi Manzil', but today's Beed-Billing is a scene of excessive tourism exploitation. The development of new areas should be established under a model. To ensure that the condition of Baga-Sarah tomorrow does not become like that of Bir-Billing today, the surrounding area should be brought under SADA and the TCP law should be implemented. If Baga-Sarah has to be ranked higher than Pahalgam in Kashmir, then a map of tourism and urban development plan will have to be prepared for an area of ??twenty to twenty five square kilometers. From today itself, construction using concrete will have to be banned and the area will have to be permitted only under traditional Vastushastra. A few years ago, we had cancelled a major project of Manali Ski Village for political reasons or today we have ruined the aura of the entire Manali area by excessive use of concrete, so a separate authority or development board will have to be formed to equip and organize Baga-Sarah as the future of tourism. Apart from announcing a road survey to connect it to Kullu, the Chief Minister has also announced a fifty percent subsidy on the purchase of e-carts. Tourism development will now have to be developed as a model according to different destinations. For example, the highway tourism destination around Palampur should be made vibrant by equipping it with tourist village, entertainment park, tea tourism and food mart. Similarly, somewhere it should be equipped with science city and knowledge park, somewhere it should be a destination for students and somewhere it should be a destination for health and wellness tourism for the elderly. One destination for heritage and cine tourism is Garli-Paragpur, while the other can be built in Sirmaur Bogdhar valley. To underline the tourism development of Baga-Sarahan, the TCP law should be implemented immediately.

Opinion: Cheap politics on military action, misunderstanding of opposition and wrong statements

Except Deen Dayal Upadhyaya, all three were victorious while Prime Minister Nehru and Congress made a lot of efforts to defeat these leaders. This victory of the opposition was the result of defeat at the hands of China, but in 1965 when India defeated Pakistan in the war, Congress again came to power at the center by winning the 1967 Lok Sabha elections. A Congress MP from Andhra gave the credit of India's victory in the Indo-Pakistani War of 1971 to Prime Minister Indira Gandhi by giving her the title of Durga, but today the opposition parties, especially the Congress, are shying away from giving the credit of the success of Operation Sindoor to Prime Minister Modi. This attitude of Congress is old. In 2019, in response to the Pulwama attack, on the Balakot air strike, Rahul Gandhi, who was then the Congress President, had said, 'For this I salute the pilots of the Air Force.' Is it so that in 1971 the Prime Minister used to give the order to start the war, but in 2019 and now the army has started taking such decisions on its own? Since the public knows everything, it does not seem that what the Congress says will have any effect on them. In 2019, the Congress leadership wanted to show that the decision of the air strike was taken by the Air Force itself, whereas it is well known that the army works under the elected government. It does not take action across the border on its own. The government orders it for this. It is not surprising that the BJP got more seats in the 2019 Lok Sabha elections than in 2014. The cheap politics on matters of strategic importance was also introduced recently in the Bengal Assembly by the resolution related to the Pahalgam terrorist attack and then the military action against Pakistan in response to it. In that, the army was praised and thanked for the military action, but Operation Sindoor was not mentioned in it. Media reports have evidence of how Indira Gandhi took electoral advantage of the victory in the Bangladesh war. Elections to some assemblies were to be held in early 1972. Then in the election manifesto, Congress did not try to hide the fact that 'India's victory in the Indo-Pakistan war is a symbol of Indira Gandhi's successful leadership and to strengthen her hand, there should be a Congress government in various states. It was only because of a strong central government that a befitting reply could be given to the foreign invasion. Now, to end poverty, coordination between the center and the states is necessary.' (Dinman-5 March, 1972). Not only this, Indira Gandhi also issued a letter to the voters in many languages. It was delivered to every house in the election states. It was emphasized in it that 'the unity of the countrymen and Indira ji's devotion towards high ideals made us win the war. Now with the same dedication we have to eliminate poverty. For this, we need such governments in the states which have good coordination with the center.' Since the glory of the victory of 1971 did not remain in the hearts and minds of the people till 1974, Indira had conducted the elections of Bihar and Uttar Pradesh assemblies two years in advance. Elections in both these states were scheduled in 1974. However, the then president of Uttar Pradesh Congress Rajendra Kumari Vajpayee had publicly said, contrary to Indira's stance, that 'elections do not seem necessary.' Chief Minister Kamlapati Tripathi, who was running a government with full majority, also opposed early elections, but Indira Gandhi did not listen to the regional leadership of the Congress. She did the same in Bihar, where Bhola Paswan Shastri's government was in power. There is no doubt that in 1971, Indira Gandhi showed courage at the right time and took military action against Pakistan. Due to this, the sentiment of the common people was with her. Even if she had not made extra efforts to gain electoral advantage, she would have benefited from it, but it seems she did not have patience. After Operation Sindoor, the general sentiment of the country is in favor of the army as well as the Modi government. BJP-NDA is likely to benefit from it in any future election, but Congress and some other opposition parties are making such cheap statements, which are spoiling their credibility. This attitude of theirs is also sending a message outside the country that there is no unity in India at such a critical time. The opposition has the misconception that its statements will make the common people stop giving credit to Modi. Electoral history shows that whenever the Indian army is victorious, the ruling party gets the electoral benefit and if it loses, it has to bear the brunt. It also affects the by-elections. After the defeat at the hands of China in 1962, by-elections were held for four Lok Sabha seats in 1963. Among them, JB Kriplani, Dr. Ram Manohar Lohia, Deen Dayal Upadhyaya and Minoo Masani were the candidates of non-Congress parties. All three except Deen Dayal Upadhyaya were victorious, although Prime Minister Nehru and the Congress tried hard to defeat these leaders. This victory of the opposition was the result of the defeat at the hands of China, but in 1965 when India defeated Pakistan in the war, the Congress again came to power at the Centre by winning the 1967 Lok Sabha elections. That is why it would be better for the opposition parties, especially the Congress, to stop doing dirty politics and be seen standing with the government in the fight against terrorism.

Now he should step down, Yashwant Verma's case is very serious

It is true that due to privilege, the police cannot directly investigate serious allegations against judges of higher judiciary and they have to take permission from the Supreme Court, but in Yashwant Verma's case, even after receiving the investigation report, the apex court did not give any instructions to the police to investigate. It is not just about Yashwant Verma. The Supreme Court committee's report investigating High Court judge Yashwant Verma, who is in the dock after a large number of half-burnt notes were found in his official residence, has such serious conclusions that his misconduct is being proved and he is not fit to hold the post. This report also recommends starting the process of removing him. The Supreme Court had already made such a recommendation and on its basis the government is also preparing to bring an impeachment motion against Yashwant Verma, but the process of impeachment against judges of higher judiciary is a long one. The impeachment motion has to be passed by both the houses of the Parliament. Till date, no impeachment motion could be passed against any judge of the High Court or Supreme Court, because sometimes the narrow politics of regionalism, casteism came in the way and sometimes there was no consensus between the ruling and opposition parties. It is not known what will happen this time. The leaking of the investigation committee's report may become an issue. Whatever it may be, it would be better for the image of the judiciary if Yashwant Verma resigns on his own. After the half-burnt note scandal, Judge Yashwant Verma was sent from Delhi to Allahabad High Court and removed from judicial work. Questions were raised on this decision of the Supreme Court because a committee of three judges was formed to investigate against him, but the Delhi Police was not asked to investigate the matter. Why? Is it because Yashwant Verma is a High Court judge? Are judges of higher courts above the law? This question still remains that why should the police not investigate the serious allegations of misconduct against such judges? It is true that due to privilege, the police cannot directly investigate serious allegations against judges of the higher judiciary and they have to take permission from the Supreme Court, but in the case of Yashwant Verma, even after receiving the investigation report, the apex court did not give any instructions to the police to investigate. It is not just about Yashwant Verma. There is every possibility that there may be some other judges like him. The reason for this is that questions keep arising about the conduct of judges of higher courts from time to time. Some such judges were asked to resign. Some resigned after seeing the adverse circumstances, but some did not resign or delayed in leaving the post. This delay is a kind of injustice. There should be no hesitation in accepting the truth that corruption is prevalent in the higher judiciary as well.

खिलाड़ी से दुष्कर्म में जूडो-कराटे कोच को 15 साल की सजा, दोषी कासिम पर 60 हजार का जुर्माना भी

मुरादाबाद- नाबालिग खिलाड़ी से दुष्कर्म करने के दोषी कोच को कोर्ट ने 12 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उस पर 60 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माने की रकम अदा करने पर छह माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। 12 साल के खिलाड़ी से दुष्कर्म के मामले में जूडो कराटे के कोच मो. कासिम को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट घनेंद्र कुमार की अदालत ने दोषी करार देते हुए उसे 15 साल की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।कटघर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक व्यक्ति ने नौ सितंबर 2017 को कटघर थाने में करूला निवासी मो. कासिम के खिलाफ केस दर्ज कराया था। जिसमें उसने बताया कि उसका 12 साल का बेटा कटघर क्षेत्र में एक स्कूल में पढ़ता है। इस स्कूल में मो. कासिम ने जूडो कराटे का कैंप लगाया था।उसके बेटे ने भी कैंप में भाग लिया था। आरोप है कि एक दिन मो. कासिम उसके बेटे को विशेष प्रशिक्षण देने के लिए अपने साथ कटघर थाना क्षेत्र के काशीपुर तिराहे के पास जंगल में ले गया और दुष्कर्म किया। किसी से बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। घर लौटने पर बच्चे ने परिजनों को आपबीती बताई। कटघर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट घनेंद्र कुमार की अदालत में हुई। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी को दोषी करार देते हुए 15 साल कैद की सजा और 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की रकम जमा न करने पर दोषी को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने चलाया रिक्शा, नकवी हुए सवार

मुरादाबाद- रामपुर। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी सिविल लाइन के रोशन बाग स्थित पार्क में चेतना योग संस्था के तत्वाधान में आयोजित योग शिविर में सुबह रिक्शे से पहुंचे। रिक्शा को भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार चला रहे थे। पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री ने आज अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रोशन बाग में समाज के प्रमुख लोगों के साथ योगासन किया। योगासन करने के लिए वह पार्क तक वह रिक्शा से पहुंचे। इस रिक्शे को कोई और नहीं बल्कि भाजपा जिलाध्यक्ष खुद चला रहे थे। कार्यकर्ता दोनों का हौंसला बढ़ा रहे थे। इसके बाद वह योग के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर नक़वी ने कहा कि सदियों पुराना जांचा, परखा, खरा यह प्रमाणित भारतीय हेल्थ हैंम्पर दुनियाभर के संकट-कंटक के दौर में सकारात्मक सोंच-समझ का सशक्त साधन है। कहा कि हज़ारों साल पुरानी भारतीय धरोहर योग को महर्षि पतंजलि ने वैश्विक सेहत सलामती के साधन बनाने का जो सपना देखा था , उसे नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ताक़त मिली।नकवी ने कहा कि आज योग समाज के सेहत ही नहीं, सद्भाव और समरसता का बेहतरीन संसाधन साबित हो रहा है। योग जहां सभी धर्मों ,जातियों और समाज को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। योग शिविर के बाद रोशन बाग पार्क में पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने नीम के पौधे का पौधारोपण किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार, नगर विधायक आकाश सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी, जागेश्वर दयाल दीक्षित, कपिल आर्य, महा सिंह राजपूत, सुभाष भटनागर, जगपाल यादव, राजीव मांगलिक, डॉ संजीव अग्रवाल, टेकचंद गंगवार, अशोक बिश्नोई, मोहन लोधी, पंकज लोधी, रविंद्र सिंह रवि, अर्जित सक्सेना, अनुज सक्सेना आदि उपस्थित रहे।

आपकी समस्या का अंतिम पड़ाव..., संभल डीएम के टेबल पर लगे नोट की चारों तरफ चर्चा, तस्वीर हुई वायरल

मुरादाबाद- यूपी के संभल जिले के डीएम के काम करते समय की तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें वह कुछ कागजातों की जांच कर रहे हैं। ठीक सामने दोनों संदेश टेबल पर लगे दिख रहे हैं। लोगों ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति खड़ा अपना कार्य होने की इस पत्रावली का निस्तारण कर उस राजेंद्र पैंसिया ने अपनी टेबिल पर पर लिखा है कि आपकी समस्या का हैं। इसके साथ ही उनके काम करते बताया कि वह कार्यदिवस में कार्यालय होना पड़ा। इसके लिए लगातार प्रयास आ चुके हैं जहां निस्तारण के लिए समस्या का तत्काल समाधान होना के सभी अधिकारियों को निर्देश भी जनसमस्याओं को सुनें और निस्तारण करते समय की तस्वीर वायरल हो सामने दोनों संदेश टेबल पर लगे दिख सराहा। कई यूजर्स ने लिखा काश हर पैंसिया का कहना है कि उनकी कोशिश तो मौके पर जाकर भी समाधान कराया गए हैं। जब हंसिया ली और शुरू कर

खूब सराहा। मेरी मेज पर रखी हुई प्रत्येक पत्रावली के पीछे प्रतीक्षा कर रहा है। मेरा यह कर्तव्य है कि मैं सबसे पहले व्यक्ति को राहत प्रदान करूं। यह नोट संभल डीएम डॉ. लगाया है। इसी के बराबर में एक और प्लेट लगी है। इस अंतिम पड़ाव। इन दोनों नोट को लेकर डीएम चर्चा में बने समय की एक तस्वीर भी वायरल हो रही है। डीएम ने में बैठकर जनसमस्याएं सुनते हैं। फरियादियों को परेशान न किए जा रहे हैं। कई मामले जनसमस्या के दौरान ऐसे भी मौके तक जाना पड़ा है। शासन की भी प्राथमिकता है कि चाहिए और हम भी यही प्रयास करते हैं। बताया कि जिले दिए गए हैं कि वह भी अपने अपने कार्यालय में बैठकर करें। मेरा फर्ज, किसी को निराश न लौटाऊं डीएम के काम रही है। इसमें वह कुछ कागजातों की जांच कर रहे हैं। ठीक रहे हैं। लोगों ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर खूब अफसर ऐसा सोचता तो कोई फाइल धूल न खाती। डीएम होती है कि हर फरियादी को राहत मिले। यदि जरूरत पड़े जाए। इसके लिए सभी अफसरों को स्पष्ट निर्देश भी दिए दी गेहूं की कटाई इससे पहले अप्रैल माह में पैंसिया की एक वीडियो वायरल हो गई थी। क्रॉप कटिंग योजना के तहत वह निरीक्षण करने गांव खजरा खाकम में पहुंचे थे। जब उन्होंने खेत में किसान को देखा तो वह खुद हंसिया चलाकर गेहूं की कटाई करने में लग गए। डीएम को पसीना बहाते देख ग्रामीणों की भीड़ लग गई। लोगों ने उनके इस अंदाज की खूब तारीफ की। उन्होंने आसपास के लोगों से गेहूं की लागत, मेहनत और मुनाफे के बारे में बातचीत भी की। डीएम का यह व्यवहार देख लोग काफी प्रभावित हुए। कई लोगों ने मोबाइल से वीडियो और फोटो बनाए जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। होली पर एसपी संभल का डांस वीडियो भी चर्चा में दूसरी तरफ पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई का होली पर डांस करते हुए वीडियो भी जमकर वायरल रहा। रंगों के त्योहार में एसपी ने फिल्म एनिमल के मशहूर गाने पर जबरदस्त डांस कर माहौल को खुशनुमा बना दिया। वीडियो में एसपी केके बिश्नोई सिर पर गिलास रखकर जब शानदार डांस स्टेप्स करते नजर आए तो वहां मौजूद सभी लोग तालियां बजाने लगे। उनका यह अनोखा अंदाज़ देखकर अन्य पुलिसकर्मी भी खुद को रोक नहीं पाए और वे भी रंगों में सराबोर होकर नाचने लगे। होली के इस खास जश्न में एसपी का यह अंदाज न सिर्फ पुलिस महकमे के तनाव को कुछ पल के लिए दूर करता दिखा, बल्कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी छा गया।

पति करना चाहता था ये काम... पत्नी को नहीं था मंजूर; प्रेमी संग मिलकर मारा; खुद बताई पूरी कहानी

मुरादाबाद-कोतवाली पुलिस ने पांचवें मील के समीप झाड़ियों में मिले शव की गुत्थी सुलझा दी है। मृतक की दूसरी पत्नी और उसके प्रेमी परितोष कुमार ने संपत्ति और प्रेम प्रसंग के कारण उसकी हत्या की थी। पुलिस ने दोनों को बिजनौर के नगीना से गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट के आदेश पर आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मुरादाबाद के सिविल लाइंस के रामगंगा विहार फिजियोथेरेपी सेंटर चलाने वाली रीना सिंधू ने अपने प्रेमी से पति रविंद्र को कोटद्वार कोतवाली के दुगड्डा चौकी क्षेत्र के दिया। उत्तराखंड पुलिस ने दोनों को बिजनौर के ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश गया है। कोटद्वार कोतवाल रमेश तनवार ने बताया पांचवें मील के समीप एक अज्ञात शव मिला था। कुमार निवासी रजोकरी, बसंत कुंज, साउथ नई दिल्ली भाई राजेश कुमार ने 17 जून को कोतवाली में एक उन्होंने कहा कि उनका भाई रविंद्र कुमार का अपनी था। वर्ष 2007 में उसका भाई अपने घर बसंत कुंज, लगा।अपना मकान बेचना चाहता था रविंद्र इस दौरान की एक लड़की आई। वर्ष 2010-11 में उनके भाई इसके बाद दोनों मुरादाबाद के सिविल लाइंस के बताया कि उसका भाई मुरादाबाद स्थित अपना मकान बेचने को राजी नहीं थी। इस बात पर दोनों में जताई कि इसी मनमुटाव के चलते रीना सिंधू ने भाई रविंद्र कुमार की हत्या कर उसकी लाश को

दिया। पुलिस टीमों ने कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसमें 5 जून को एक संदिग्ध कार कोटद्वार के आसपास आती व कुछ समय पश्चात वापस जाती दिखाई दी। इसके बाद पुलिस टीम ने हत्यारोपी रीना सिंधू और पारितोष कुमार निवासी ग्राम सराय, पुरैनी, थाना नगीना, जनपद बिजनौर (यूपी) को नगीना से गिरफ्तार कर लिया था। दोनों ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल लिया।कर्ज चुकाने के लिए पति बेचना चाहता था मकान, पत्नी को नहीं था मंजूर कोतवाल रमेश तनवार ने बताया कि पूछताछ में रीना सिंधू ने बताया कि मुरादाबाद में उसके और रविंद्र कुमार के नाम पर एक बड़ा मकान है। रविंद्र कुमार के ऊपर काफी कर्जा हो गया था। कोर्ट के एक आदेश में उन्हें कई लाख रुपये का जुर्माना भी भरना था। इसीलिए रविंद्र कुमार मकान को बेचना चाहता था, लेकिन रीना मकान नहीं बेचना चाहती थी। इसी बात को लेकर दोनों का आपस में झगड़ा होता रहता। इसी बीच परितोष कुमार निवासी नगीना, बिजनौर फिजियोथेरेपी कराने उसके सेंटर में आया करता था। जिससे उसे प्यार हो गया और दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बन गए। पत्नी ने रविंद्र कुमार को मारने का प्लान बनाया। उसने मकान बेचकर परितोष को 10 लाख देने की बात कही। विगत 31 मई को उसने फोन कर अपने पति रविंद्र कुमार को नगीना स्थित परितोष के घर पर बुलाया और शराब पिलाई। इसके बाद पारितोष ने फावड़े से रविंद्र की छाती व गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी। नोएडा में खड़ी कर आए थे कार फिर दोनों रविंद्र के शव को अपनी गाड़ी में डालकर पहले रामनगर की तरफ ले गए। वहां मौका नहीं लगा। जिस पर वह शव को कोटद्वार की तरफ लाए। सुबह होने पर शव को दुगड्डा के पास सड़क से नीचे फेंक दिया और भाग गए। अगले दिन गाड़ी को नोएडा चौराहे के पास खड़ी कर घर आ गए।

कुमार की करा दी। इसके बाद उसके शव पांचवें मील के समीप झाड़ियों में फेंक नगीना से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पर आरोपियों को पौड़ी जेल भेज दिया कि पांच जून को दुगड्डा चौकी के क्षेत्रांतर्गत शव की शिनाख्त उसके परिजनों ने रविंद्र के रूप में की थी। इस मामले में मृतक के शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें पत्नी आशा देवी से मनमुटाव चल रहा साउथ नई दिल्ली से हरिद्वार आकर रहने उनके भाई के संपर्क में रीना सिंधू नाम ने रीना सिंधू से विवाह कर लिया था। रामगंगा विहार में रहने वाले लगे। उसने बेचना चाह रहा था, लेकिन रीना मकान अक्सर मनमुटाव होता था। उन्होंने आशंका अपने साथियों के साथ मिलकर उनके दुगड्डा क्षेत्र में सड़क किनारे जंगल में फेंक

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन गेम की हार से टूट गए थे वरुण...पत्नी बोली- काश मेरी बात मान जाते

मुरादाबाद- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में कर्ज में डूबे वरुण चौहान ने बीते शाम फंदे पर आत्महत्या कर परिजन मुरादाबाद शनिवार की ने शव का कराकर शव सौंप दिया। लेकर बिजनौर

शुक्रवार की लटक कर ली थी। देर रात बिजनौर से पहुंच गए थे। दोपहर पुलिस पोस्टमार्टम परिजनों को वह शव को चले गए। मृतक की पत्नी बोली कई बार ऑनलाइन गेम खेलने के लिए मना किया, लेकिन नहीं सुनी। अगर मेरी बात मान ली होती तो शायद ऐसा न होता। बिजनौर के थाना स्योहारा अंतर्गत गांव कजमपुर शेरपुर निवासी वरुण चौहान का मुरादाबाद के काजीपुरा में पानी का प्लांट है। बीते शुक्रवार की शाम प्लांट में वरुण ने फंदे पर लटककर खुदकुशी कर ली थी। पुलिस को जेब से सुसाइड नोट मिला।जिसमें लिखा था मेरा इस दुनिया से जाना ही ठीक है, अपना और गब्बू का ध्यान रखना परेशान मत होना, अगर मैं रहता तो सब कुछ खत्म हो जाता। जानकारी के बाद देर शाम परिजन बिजनौर से मुरादाबाद पहुंचे। शनिवार को दोपहर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। बिना कार्रवाई के परिजन शव को ले गए। पति का शव देखते हुए रोते हुए पत्नी बोली अगर मेरी बात मान ली होती तो ऐसा नहीं होता। ऑनलाइन गेम के चलते कर्ज हो गया जिसके चलते जान दे दी। प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि परिजनों ने कोई शिकायती पत्र नहीं दिया है।

शादी का झांसा देकर निजी अस्पताल की नर्स से रेप...प्रेमी समेत तीन पर FIR

मुरादाबाद- थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दलित युवती ने साथी कंपाउंडर पर शादी का झांसा देकर चार साल तक दुष्कर्म करने, गर्भपात कराने व प्रेमी के दो मामा के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज कराया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में युवती ने कहा है कि गांव के निकट स्थित निजी अस्पताल में नर्स है। चार वर्ष पूर्व अस्पताल के कंपाउंडर थाना भगतपुर के गांव पाडलीवाजे निवासी कुलदीप ने शादी का झांसा देकर संबंध बना लिए। अस्पताल एवं होटलों में ले जाकर यौन शौषण करता रहा। गर्भवती होने पर दो वर्ष पूर्व आरोपी ने गर्भपात करा दिया। आरोपी पत्नी बताकर अस्पताल से तन्खवाह के पैसे भी लेता रहा। 7 जून को दुष्कर्म किया तो उसने फिर शादी की बात दोहराई तो आरोपी ने जातिसूचक गालियां देते हुए कहा कि मैं सबकुछ मौज-मस्ती के लिए कर रहा था। धमकी देते हुए कहा कि अगर पुलिस में शिकायत की तो अश्लील वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा। पीड़िता ने प्रेमी के मामा रिंकू एवं दीपक शर्मा पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। थाना पुलिस ने कप्तान के आदेश पर तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

प्रधान की दबंगई फर्जी हजारियों एवं लगाया जा रहा सरकारी धन को पलीता

क्यूँ न लिखूँ सच –अरविंद कुमार

पीलीभीत– सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा के अंतर्गत भ्रष्टाचार थामने का नाम नहीं ले रहा है। जिम्मेदारों की मिली भगत से पंचायत में सरकारी धन का जमकर बंदर बांट किया जा रहा है,

और अपनी अपनी जेबें गर्म करने में लगे हैं। जिस कारण मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती हुई नजर आ रही है। अमरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत दीनारपुर में मनरेगा योजना के अंतर्गत शमशान भूमि दीनारपुर वाले तालाब का जीर्णोद्धार कार्य, पक्के रोड़ से जसकरण के खेत तक चकमार्ग पर मिट्टी कार्य एवं पक्के रोड़ से टिंकू के खेत तक चकमार्ग पर मिट्टी कार्य कराया जा रहा हैं। तीन कार्यो के 12 मास्टर रोल में विगत 10 दिनों से 105 से 107 श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। वही धरातल पर तीनों कार्यों में 35 से 40 श्रमिक ही कार्य कर रहे है, जिसमें भी कुछ नाबालिग बच्चों से कार्य कराया जा रहा है। वही मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम में भी धांधली की जा रही है। मौके पर मौजूद मनरेगा मेट ने बताया कि 17 मई को कोई भी कार्य नहीं हुआ फिर भी ग्राम प्रधान द्वारा 107 श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करवा दी गई है। वही आज दर्ज की गई उपस्थितियों में कई मास्टर वालों में एक ही फोटो अपलोड कर दिया गया। जबकि नियम अनुसार एक मास्टर रोल में एक श्रमिक एक दिन मे मात्र एक बार ही फोटो अपलोड किया जा सकता है। मनरेगा साइट पर अपलोड किए गए फोटो और नाम का मिलान किया जाए तो बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हो जाएगा। मगर यहां प्रधान द्वारा नियमों को ठेंगा दिखाते हुए लगातार उन्हीं श्रमिकों के फोटो अपलोड किए गए। मनरेगा में कोई कार्रवाई न होने से फर्जी हाजिरी लगाने का सिलसिला जारी है। छुटपुट कम करा कर लाखों रुपए के बजट को ठिकाने लगाया जा रहा है। मौके पर मौजूद मेट ने यह भी बताया की कुछ लोग बगैर काम करे ही वापस लौट जाते हैं,और कुछ जल्दी। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी शुभम सक्सेना द्वारा कहा गया कि मैं क्या कर सकता हूँ? ऊपर बात करलो। डीसी मनरेगा पीलीभीत वंदना सिंह द्वारा बताया गया की मामले में जांच करा कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इस संबंध में जब शनिवार को जानकारी लेने हेतु डीसी मनरेगा वंदना सिंह को फोन किया गया उनके द्वारा कोई जबाब नहीं दिया गया।

मैं जिंदा रहा तो सबकुछ खत्म हो जाएगा, इसलिए..., पत्नी के नाम नोट में लिखी ये बातें; कारोबारी ने दी जान

बिजनौर के रहने वाले कारोबारी ने ऑनलाइन गेम में रकम गंवाने के बाद आत्महत्या कर ली। कारोबारी ने सुसाइड नोट भी लिखा है। शव का शनिवार को पोस्टमार्टम कराया गया। बिजनौर के

स्योहारा में एक ऑनलाइन गेम में रकम गंवाने के बाद कारोबारी वरुण चौहान ने आत्महत्या कर ली। कारोबारी का सुसाइड नोट भी मिला है। नोट पत्नी के लिए लिखा है। इसमें लिखा है कि नीरा... मैं जिंदा रहा तो सब कुछ खत्म हो जाएगा। मेरे बाद मेरी मां व बेटे का ख्याल रखना। मुरादाबाद में कारोबार करने वाले स्योहारा के युवक ने शुक्रवार को फंदे पर लटकर जान दे दी। पोस्टमार्टम के बाद शव शनिवार को घर पहुंचा तो परिवार ही नहीं बल्कि पूरा गांव गम में डूब गया। कारोबारी ऑनलाइन गेम में एक करोड़ रुपये से ज्यादा रकम हार चुका था। हारने पर कर्ज हुआ तो फरवरी में 20 बीघा जमीन एक करोड़ 16 लाख रुपये में बेच दी, जबकि इससे पहले भी 15 बीघा जमीन बेची थी। स्योहारा थाना क्षेत्र के गांव काजपुर निवासी वरुण पुत्र तिलक राम सिंह ने कई साल पहले मुरादाबाद में पानी का प्लांट लगाया और पानी की आपूर्ति करने लगा। मुरादाबाद में पानी का कारोबार होने के बाद भी वह रोजाना शाम को अपने गांव लौट आता था। शुक्रवार की शाम वरुण गांव नहीं लौटा बल्कि उसकी मौत की सूचना पहुंची। बताया गया कि वरुण ने प्लांट में ही फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। वरुण की जेब से एक सुसाइड नोट मिला जो उसकी पत्नी नीरा के नाम था। पत्नी के नाम लिखा सुसाइड नोट सुसाइड में कहा कि नीरा...मैं खत्म नहीं हुआ तो सब कुछ खत्म हो जाएगा, इसलिए मेरा इस दुनिया से जाना ही ठीक है। अपना और डब्बू (बेटे) का ध्यान रखना। मैं अपनी जेब में पेपर लिख कर रख रहा हूं ताकि पुलिस परेशान न करे। मम्मी का भी ख्याल रखना। शुक्रवार की शाम पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। शनिवार को शव गांव पहुंचा तो घर में चीख पुकार मच गई। पत्नी व मां का रो-रोकर बुरा हाल रहा। शनिवार को स्योहारा रामगंगा घाट में गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। ,बीस बीघा जमीन बेचकर चुकाया था कर्ज वरुण करोड़ों रुपये कमाने के फेर में ऑनलाइन गेम खेलकर अपनी जिंदगी को हार गया। हालांकि चार माह पूर्व ही वरुण ने गांव की बीस बीघा जमीन बेच कर अपना कर्ज चुका दिया था। लेकिन उसके बाद भी ऐसी क्या वजह बनी कि उसने मौत के सामने घुटने टेक दिए। वरुण अपने घर में इकलौता पुत्र था। चार वर्ष पूर्व पिता की मौत के बाद लगभग 85 बीघा जमीन का इकलौता मालिका था। वरुण लगभग 35 बीघा जमीन बेच चुका था जिसके बाद भी अभी लगभग 50 बीघा जमीन वरुण के पास बची हुई थी। ऑनलाइन गेम खेलकर एक भारी रकम हारने के बाद वरुण ने फरवरी माह में बीस बीघा जमीन एक करोड़ 16 लाख में बेच कर कर्ज चुकाया था। इसके बाद भी वरुण को कोई चिंता अंदर ही अंदर खा रही थी। जिस कारण वरुण ने इतना बड़ा कदम उठा लिया।

पर्वतीय समाज के नए पदाधिकारियो ने शपथ ग्रहण की

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली – विद्युत विश्राम गृह में पर्वतीय समाज की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई।जिसमें नए पदाधिकारियो को अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह देवलिया द्वारा कैप्टन मोहन सिंह बिष्ट,(संरक्षक),कैप्टन शेर सिंह बिष्ट (संरक्षक),मदन सिंह बिष्ट पूर्व सभासद कैंट (उपाध्यक्ष),गोपाल सिंह राणा (अंकेक्षत्क),विनोद कुमार तिवारी (क्षेत्रीय सचिव कैंट),स्मारिका के संपादक अशोक उप्रेती, सह संपादक गोपाल सिंह मेहरा,प्रदीप तिवारी,देवेन्द्र रावत,कार्यकारिणी सदस्य भैरव दत्त कबडवाल,दिनेश जोशी,पूरन सिंह मेहरा,किशन सिंह नेगी,कैलाश पाण्डे द्वारा शपथ ग्रहण करी गई।संस्था ने आगामी दशहरे के अवसर होने वाली रामलीला और रिहर्सल के विषय में चर्चा की।सभी सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे।इस अवसर पर महासचिव डॉ. नरेन्द्र सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष इन्द्र सिंह बिष्ट,कुंवर सिंह बिष्ट,गिरीश चन्द्र पाण्डे,चन्द्र प्रकाश जोशी,उमेश बिनवाल,आनंद सिंह मेहता,दीपक धौनी,मोहित कबडवाल,अशोक उप्रेती,पूरन सिंह मेहरा,संजय सिंह परमार,प्रभात गैरोला,पंचम सिंह बोनाल,महेश पाण्डे,जीत सिंह बोहरा,नरेन्द्र सिंह नेगी,पुष्कर सिंह बोहरा,रवि छेत्री आदि उपस्थित रहे।

सेंट्रल मार्केट: अवैध निर्माण ध्वस्तीकरण के टेंडर पर शासन की मुहर, चलेगा हथौड़ा

शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट आवासीय भूखंड 661/6 पर बने कॉम्प्लेक्स को तोड़ा जाना है। सुप्रीम कोर्ट तक चले केस के बाद इसके ध्वस्तीकरण को रोका नहीं जा सका। शास्त्रीनगर योजना संख्या-7 के तहत सेंट्रल मार्केट के आवासीय भूखंड 661/6 पर बनाए गए कॉम्प्लेक्स एवं अन्य संपत्तियों पर किए गए अवैध भू-उपयोग (व्यावसायिक प्रयोग) के ध्वस्तीकरण की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इसके लिए एडिसिस इंजीनियरिंग कंपनी की ओर से टेंडर डाला गया था। शनिवार को शासन ने इसे स्वीकृत कर लिया है।आवास एवं विकास परिषद ने ध्वस्तीकरण के कार्य को 1.66 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के लिए टेंडर मांगे थे। इसके लिए तीन बार टेंडर जारी हुए, लेकिन कोई खास रुझान नहीं आया। पूर्व में आई एक बिड को नामंजूर कर दिया गया था। आवास विकास के अधिकारियों ने बताया कि नए सिरे से एक ही बोलीदाता को टेंडर देने की प्रक्रिया को शनिवार को शासन ने मंजूरी दे दी।सुप्रीम कोर्ट ने 661/6 मामले में ध्वस्तीकरण के आदेश दिए हैं। व्यापारियों की सुप्रीम कोर्ट में दाखिल सभी याचिकाएं भी रद्द की जा चुकी हैं। आवास एवं विकास परिषद की शास्त्रीनगर स्कीम संख्या 7 के तहत ही सेंट्रल मार्केट आता है। इसमें सेक्टर-2 व सेक्टर-6 का मुख्य मार्ग मुख्य रूप से सेंट्रल मार्केट माना जाता है। आवास विकास की रिपोर्ट के मुताबिक इस स्कीम में 6379 स्वीकृत आवासीय संपत्तियां हैं। इनमें से 860 संपत्ति ऐसी हैं, जिनमें व्यावसायिक प्रयोग हो रहा है। अफसरों से सांठगांठ करके सेंट्रल मार्केट में आवासीय भवनों में कॉम्पलेक्स बन गए हैं और सराफा, डेयरी, रेडीमेड गारमेंट्स, मर्चेंट स्टोर आदि संचालित हैं। कई लोगों ने क्षेत्र में निचले तल पर शोरूम बना लिए हैं और ऊपरी तल पर रिहाइश हो रही है।

इस बार कावड़ यात्रा मे कानून आस्था और निगरानी का नया इतिहास लिखेगी करना पुलिस एसपी रामसेवक गौतम के सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

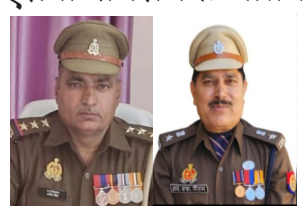

किरण शामली श्रावण मास के पावन अवसर पर निकलने वाली कावड़ यात्रा को लेकर करना पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ चुकी है इस पूरी व्यवस्था की कमान जनपद के जुझारू कर्मठ और जन संवेदनशील पुलिस अधीक्षक रामसेवक गौतम के हाथों में है जिनके नेतृत्व में जनपद की कानून व्यवस्था को नया आयाम मिला है एसपी रामसेवक गौतम ने केवल कानून व्यवस्था को लेकर सजग रहते हैं बल्कि धार्मिक आयोजनों को लेकर उनकी विशेष सतर्कता और संवेदनशील दृष्टिकोण प्रशासनिक व्यवस्था को सख्त मनाता है उनके द्वारा दिए गए स्पष्ट निर्देश हैं आस्था के इस पर्व पर मे कही भी अजराकता अफवाह या किसी भी तरह की सामाजिक शांति में खलल को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा पुलिस अधीक्षक रामसेन गौतम ने खुद जिले के सभी थानाअध्यक्ष को यात्रा को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपर्क करने के लिए रणनीतिक निर्देश दिए हैं उनकी अगुवाई में जनपद पुलिस पूरी तरह से एक्शन मोड में है और हर स्तर पर नियंत्रण में निगरानी की कार्यप्रणाली सुनिश्चित की गई है एडिशनल एसपी संतोष कुमार जो अपने कुशल प्रावधान और तेज निर्णय क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं वह यात्रा के दौरान प्रत्येक स्तर पर व्यवस्थाओं की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं वहीं क्षेत्र अधिकारी श्याम सिंह भी पूरे उत्साह अनुशासन और क्षेत्रीय अनुभव के साथ टीम का नेतृत्व कर रहे हैं कैराना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने क्षेत्र वासियों से अपील करते हुए कहा कि वह श्रद्धा का पर्व है इसे मर्यादा और अनुशासन के साथ मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है उन्होंने बताया कि नगर और देहात क्षेत्र की हर गली मार्ग और कावड़ पथ पर सुरक्षा की ठोस व्यवस्था की गई है डोन कैमरे सीसीटीवी मोबाइल फुल हिस्ट्री में कंट्रोल रूम और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती से यात्रा के दौरान किसी भी अराजक तत्व पर तुरंत कार्यवाही की जाएगी अरे क्या करना कोतवाल धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा जो भी व्यक्ति धार्मिक भावनाओं को भड़काने अफवाह फैलाने या माहौल बिगड़ने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ सख्त सख्त कार्यवाही की जाएगी उन्होंने विशेष रूप से युवा ऑन से सोशल मीडिया पर संयम रखने की अपील की है और कहा कि कोई भी भामक भड़काऊ या अफवाह जनक पोस्ट में करें नहीं फॉरवर्ड करें साइबर सेल पूरी निगरानी में है और दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा कोतवाल धर्मेंद्र सिंह ने समाज के प्रबुद्ध नागरिक को धर्म गुरु व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है पुलिस महक में बल्कि आम नागरिकों के बीच भी सकारात्मक रूप से हो रही है अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार में क्षेत्राधिकार श्याम सिंह की अध्यक्षता और क्षेत्रीय सक्रियता से भी है स्पष्ट कि इस बार की कावड़ यात्रा ने केवल श्रद्धा बल्कि प्रशासनिक और पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि में भी ऐतिहासिक होगी कोतवाल स्तर पर धर्मेंद्र सिंह की अगुवाई में टीम 24 घंटे मुस्तेज है और थाना कैराना मैं मनाया गया

ब्रेक पॉइंट पर दिव्यांगों ने दिव्यांग अधिकारी अंशुल चौहान का स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच – राकेश गुप्ता

उन शामली आज जिला शामली के दिव्यांगों ने पूर्व जिला दिव्यांग अधिकारी अंशुल चौहान जी को ब्रेकप्वाइंट रेस्टोरेंट के प्रांगण में विशेष अतिथि के रूप में

आमंत्रित कर उनको जिला शामली में उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिव्यांगों ने अपने आमंत्रित कर उनको सम्मानित किया उनकी नव नियुक्ति के लिए अधिकारी ने दिव्यांगों का आमंत्रण पर पहुंचकर दिव्यांगों को शुभकामनाएं दिव्यांगों में अपने प्रिय अधिकारी को उपहार भी दिए श्री अंशुल चौहान के दिव्यांग मुझे अति प्रिय है और मैं 5 साल की सेवा और उनके प्रिय अधिकारी को सह परिवार और उनको गाजियाबाद में शुभकामनाएं दी दिव्यांग स्वीकार कर सह परिवार समय दी वहां पर उपस्थित सभी पुष्प मालाए भेट की और कुछ जी ने कहा की शामली जिले हमेशा दिव्यांगों द्वारा किया हुआ सम्मान याद रखूंगा उन्होंने दिव्यांगों के उज्जवल भविष्य की कामना की और सभी को अपना आशीर्वाद दिया इस भव्य कार्यक्रम में रोहित दीपक पवार संजय पवार प्रदीप कुमार पुष्पा देवी कविता रानी मोनिका अनुराधा शालू पंकज शर्मा राहुल फारूक मलिक आदि दिव्यांग उपस्थित रहे

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

तुम हार के दिल अपना मेरी जीत...

क्यूँ न लिखूँ सच – पं सत्यमशर्मा

बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार (22 जून 2025) शाम गायन कार्यक्रम स्वर अर्पण का आयोजन हुआ। इसमें गायन गुरुओं और गायन के विद्यार्थियों ने अपने स्वरों से तराने छेड़े और गीतों की बारिश की। कार्यक्रम का आरंभ फिल्म प्रेमगीत के सुप्रसिद्ध गाने %होठों से छू लो तुम% से गायन के विद्यार्थी गीतू अरोरा, सोनम गुआल, अश्वथ कपूर, अर्नव कनौजिया, अद्विका आनंद, त्रिशिका बिष्ट ने किया। विद्यार्थी अर्णव ने %केसरिया तेरा इश्क है पिया% को अपने स्वरों में प्रस्तुत किया। विद्यार्थी स्वरित तिवारी ने %ओ रंगरेज तेरी रंग दरिया में% को अपनी आवाज दी। गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे और विद्यार्थी डा.रजनी अग्रवाल ने %जब मेरी हकीकत जा जा कर% गीत को प्रस्तुत किया। अतिथि कलाकार इंदू परडल ने %मैंने लाखों के बोल सहे% को अपने अंदाज में गाया। गुरु शालिनी पांडेय ने %नियत ए शैख भर न जाए%, गुरु प्रियंका ग्वाल ने %नजरिया लग जाएगी%, गुरु स्नेह आशीष दुबे ने राग मधुवंती की छाप ताल और तीन ताल में %शिव आदि मदवत वलवत जोगी% को श्रोताओं के सामने रखा। अंत में गुरु प्रियंका ग्वाल और शालिनी पांडेय ने %भरे नैना% को अपने स्वर दिए। स्वर अर्पण में वादन गुरुओं उमेश मिश्रा (सारंगी), सूर्यकांत चौधरी (वायलिन), टुकमनी सेन (हारमोनियम), सूरज पांडेय (बांसुरी), सुमन बिस्वास (तबला व कजन), अमरनाथ (तबला), अनुग्रह सिंह (कीबोर्ड व ड्रम) और विशेष सिंह (गिटार) ने अपने वाद्ययंत्रों के साथ अच्छी संगत दी। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, डा.एमएस बुटोला, डा. शरद जौहरी, डा. पीके परडल, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मोहर्रम के मद्देनजर मऊआइमा थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा(प्रयागराज) आगामी मोहर्रम त्यौहार के मद्देनजर मऊआइमा थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। जिसमें इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने ने ताजीदारों की समस्या सुनें तथा उसे समय से निरस्तारण का आश्वासन दिए। इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी ने ताजिदारों से भाई चारा आपसी सौहार्द के माहौल में पर्व को मनाने की अपील करते हुए कोई नयी परम्परा न शुरू करने की हिदायत दी।इस अवसर पर अंसार उद्दीन चांद, शकील,वारिस,मोईज अहमद,सगीर अहमद,सन्ने, युनुस,दायम अली,हकीम उद्दीन आदि मौजूद थे।

दो अन्तर्राज्यीय मादक दवा तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच – प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। थाना हरदत्तनगर गिरंट की पुलिस ने दो अन्तर्राज्यीय मादक दवा तस्करो को नशीली गोलियो के साथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया% ने पत्रकारो को बताया कि हरदत्तनगर गिरंट के थानाध्यक्ष सौरभ सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर %सुजानडीह जंगल के पास से दो अन्तर्राज्यीय मादक दवा तस्कर 1. शिवपूजन वर्मा एवं 2. इमरान को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से कुल 23400 10 उह कुल वजन 12,870 ग्राम%, एक %इलेक्ट्रिक स्कूटी बिना नंबर प्लेट) तथा दो मोबाइल फोन% बरामद किए गए, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख आंकी गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना हरदत्त नगर गिरन्ट पर %मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दिया है।

बस अड्डे से हर रोज जाम, दुकानदार बेहाल - परिवहन विभाग और प्रशासन बना मूकदर्शक

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली, अजंता चौक - शहर के बीचों-बीच बना अवैध बस अड्डा अब नागरिकों के लिए एक अभिशाप बन चुका है। हर सुबह और शाम यहां रोडवेज और प्राइवेट बसों की मनमानी खड़ी, और घंटों तक बना रहता है जाम। आम जनता ही नहीं, दुकानदारों का धंधा पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।लेकिन सबसे चिंताजनक बात ये है कि जनता की बार-बार की शिकायतों के बावजूद, न ही परिवहन विभाग (ARM ß RM) हरकत में आ रहा है, और न ही स्थानीय प्रशासन। Jansunwai में 12 से ज़्यादा शिकायतें की गईं - फिर भी सन्नाटा स्थानीय व्यापारी बताते हैं- हमने Jansunwai पोर्टल पर दर्जनों बार शिकायत की, हर बार स्टेटस आता है - निस्तारित। लेकिन जमीन पर स्थिति वैसी की वैसी। जब व्यापारियों ने ARM (Assistant Regional Manager) ¥õÚU RM (Regional Manager) को कॉल कर स्थिति बताने की कोशिश की, तोज्कोई कॉल उठाता ही नहीं। जनता की बात सुनना शायद इन अधिकारियों के कार्य क्षेत्र में नहीं आता। क्या प्रशासन की आंखें बंद हैं?क्या ये बसें बिना विभाग की अनुमति के यहां खड़ी होती हैं?अगर अनुमति के बिना हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं? और अगर अनुमति के साथ हैं, तो जनहित को दरकिनार कर के किसके इशारे पर चल रही हैं ये व्यवस्था?बाज़ार की तबाही, ग्राहक नदारद स्थानीय दुकानदार बताते हैं- जाम की वजह से ग्राहक हमारी दुकान तक पहुंच ही नहीं पाते। धंधा रोज़ 30-40त्न तक गिर चुका है। और विभाग को फर्क तक नहीं पड़ता। अब सवाल जनता का- क्या परिवहन विभाग की मनमानी ऐसे ही चलती रहेगी? क्या प्रशासन सिर्फ फाइलों में ही समाधान करेगा? क्या Jansunwai अब महज़ दिखावा बनकर रह गए हैं? जनता की मांग-अवैध बस अड्डे को तत्काल हटाया जाए रोडवेज बसों की तय पार्किंग और संचालनसुनिश्चित किया जाएARM, RM और ट्रैफिक इंचार्ज पर लापरवाही की जांच होCM हेल्पलाइन और से उच्च स्तर पर निगरानी हो अगर अब भी प्रशासन नहीं जागा, तो व्यापारी कि यह खबर सिर्फ एक शिकायत नहीं, जनता की पुकार है प्रशासन से उम्मीद है कि इसका निस्तारण करें

पश्चिमी और तराई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी, 20 जिलों में बिजली गिरने की चेतावनी

पश्चिमी और तराई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 20 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है।यूपी में पश्चिमी और तराई हिस्सों में दो दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम के 10 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट है। तराई और पश्चिम के 20 जिलों में गरज-चमक और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। वहीं रविवार को बुंदेलखंड के ललितपुर में सर्वाधिक 132 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई।उत्तर प्रदेश में मानसूनी बारिश का दायरा पूरब और तराई होते हुए अब पश्चिम तक पहुंच चुका है। मौसम विभाग में सोमवार

के लिए प्रदेश के पश्चिमी और तराई हिस्सों के सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा जैसे 10 जिलों के लिए अत्यधिक भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं 20 अन्य जिलों के लिए गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक पूर्वी हिस्सों में रविवार और सोमवार को थोड़ा थमने के बाद, मंगलवार से समूचे प्रदेश में बारिश फिर से जोर पकड़ेगी। बुंदेलखंड में मध्यम बारिश देखने को मिली रविवार को बुंदेलखंड के ललितपुर में सर्वाधिक 132 मिमी बारिश दर्ज की गई। साथ ही प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत पूर्वी तराई के जिलों, मध्य इलाकों और बुंदेलखंड में हल्की से मध्यम बारिश देखने को मिली। चलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक मंगलवार को नेपाल और उत्तराखंड से सटे तराई जिलों में भारी बारिश के संकेत हैं। उन्होंने बताया कि अगले तीन-चार दिनों तक प्रदेश के पूर्वी, तराई और पश्चिम इन सभी इलाकों में कहीं हल्की तो कहीं अच्छी बारिश का दौर जारी रहने वाला है। ,इन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट- ,सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, बिजनौर, मुरादाबाद व आसपास के इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में मेघगर्जन के साथ वज्रपात के लिए ऑरेंज अलर्ट- फतेहपुर, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया व आसपास के इलाकों में मेघगर्जन व वज्रपात के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

सरकारी भूमि पर बने एक और मदरसे पर चला बुलडोजर, अब तक 32 मदरसे ध्वस्त, 130 हुए सील

श्रावस्ती में सरकारी भूमि पर बने एक और मदरसे को ध्वस्त कर दिया गया है। जिले में अब तक 32

मदरसों को जमींदोज किया जा चुका है। जबकि 130 को सील किया जा चुका है।बगैर मान्यता व सार्वजनिक भूमि पर बने मदरसों व इबादतगाहों पर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी के क्रम में रविवार को हरदत्त नगर गिरंट में सार्वजनिक भूमि पर बने एक मदरसे को ध्वस्त करा दिया गया। इस कार्रवाई के साथ ही जिले में अब तक 32 मदरसों को ध्वस्त कराया जा चुका है। वहीं 130 मदरसे सील कराए जा चुके हैं।जमुनहा तहसील क्षेत्र के ग्राम हरदत्त नगर गिरंट के गाटा संख्या 2430 रकबा 0.100 हेक्टेयर भूमि सरकारी अभिलेखों में खाद गड्ढा दर्ज है। इसी भूमि पर अवैध रूप से मदरसा जामिया रजविया शमसुल उलूम का निर्माण कर संचालन किया जा रहा था। जांच में पुष्टि के बाद रविवार को नायब तहसीलदार विजय गुप्ता के नेतृत्व में पहुंचे राजस्व निरीक्षक रामधीरज तिवारी व लेखपाल सुरेश खन्ना व सुरेंद्र कुमार थारू ने स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में जेसीबी से मदरसे को ध्वस्त करा दिया।विदित हो कि जिले में विगत वर्ष कराई गई जांच में कुल 297 मदरसे संचालित मिले थे। इनमें से 105 मान्यता प्राप्त व 192 मदरसे बगैर मान्यता संचालित मिले थे। इन पर कार्रवाई के लिए 26 अप्रैल से जिले में अभियान चलाया जा रहा है। करीब दो माह से चल रहे इस अभियान में अब तक जिले में जहां 130 मदरसों को सील किया गया। वहीं सार्वजनिक भूमि पर बने 32 मदरसों को ध्वस्त कराया गया। इस कार्रवाई के दौरान सरकारी भूमि पर बनी एक मसजिद, चार मजार व दो ईदगाह पर बुलडोजर चलाकर सार्वजनिक भूमि को खाली कराया गया।

05 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी

मु0अ0सं0- मु0अ0सं0 224/25 धारा 60 आबकारी अधिनियम बहराइच रामगांव/पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा अपराधियों पर प्रभावी अभियान में दिये गये अनुपालन मे अपर पुलिस (ग्रामीण) व क्षेत्राधिकारी निर्देशन में थानाध्यक्ष श्री नेतृत्व में उ0नि0 हरिनाथ हे0का0 राजेन्द्र मोदनवाल 21.06.2025 को पुत्र गया प्रसाद उम्र कराब

अपराध एवं अंकुश लगाने हेतु दिशा निर्देश के अधीक्षक महोदय महोदय महसी के राजकुमार पाण्डेय के यादव मय हमराह के द्वारा आज दिनांक अभियुक्त बुध्दिलाल 34 वर्ष निवासी बलवापुर तहसील दा0 खसहा मोहम्मदपुर थाना रामगाँव जनपद बहराइच को मुखबिर खास की सूचना पर बलवापुर खजुहा मार्ग पर ईंट के भट्ठे के पास से समय करीब 18.10 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया है। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 224/25 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया था। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को मा0 न्यायालय रवाना किया गया। अभियुक्त का नाम पता- 1. बुध्दिलाल पुत्र गया प्रसाद उम्र कराब 34 वर्ष निवासी बलवापुर तहसील दा0 खसहा मोहम्मदपुर थाना रामगाँव जनपद बहराइच गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम 1. उ0नि0 हरिनाथ यादव 2. हे0का0 राजेन्द्र मोदनवाल

गजब कारनामा: सीएम के एक कार्यक्रम का दो विभागों से करा लिया भुगतान, लाखों किए पार; खुलासा हुआ तो अफसर हैरान

गोंडा में टेंट हाउस के मालिक का गजब कारनामा सामने आया है। उसने सीएम योगी के एक कार्यक्रम का दो विभागों से अलग-अलग भुगतान करा लिया। अफसरों की आंखों में धूल झोंककर लाखों पार कर दिए। जांच में खुलासा हुआ तो फर्म के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश के गोंडा में पार्वती अरगा झील के पास बीती दो फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम हुआ था। इस एक कार्यक्रम का महेंद्र सिंह टेंट हाउस, झिलाही बाजार ने दो विभागों से 13.95 लाख रुपये का भुगतान करा लिया। जांच में मामला सामने आया।इस पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) खंड एक के अवर अभियंता ने फर्म के खिलाफ नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।अवर अभियंता ललित कुमार पाठक के अनुसार, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आर्द्रभूमि दिवस समारोह को पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड एक व सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग बलरामपुर ने मिलकर आयोजित किया। टेंट व खानपान की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह टेंट हाउस को सौंपी गई।एक ही काम के 13.95 लाख रुपये दोबारा ले लिए सभी मदों को मिलाकर 29 मार्च को पीडब्ल्यूडी की ओर से 69.30 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। इससे पूर्व पांच मार्च को सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग से 19.95 लाख रुपये का भुगतान किया गया। फर्म ने पूर्व के भुगतान को छिपाकर धोखे से एक ही काम के 13.95 लाख रुपये दोबारा ले लिए।

नहीं रहा बहन का भाई, अब किसे बांधेगी राखी, करंट से झुलसे बच्चे की मौत, परिवार में छाया मातम

पांच साल का मासूम किशन छत पर खेलने चला गया। छत के उपर ये होकर जा रही हाईटेंशन लाइन के करंट से बच्चा बुरी तरह झुलस गया। बच्चे को अलीगढ़, वहां से दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल, फिर राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई।मकान की छत के ऊपर से होकर गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइन ने एक और की जान ले ली। करंट से झुलसे बच्चे की उपचार के दौरान मौत हो गई। बच्चे की मौत से परिवार में मातम छा गया।अलीगढ़ के थाना गंगीरी

अंतर्गत गांव चितकुरा निवासी पांच वर्षीय बच्चा किशन कुमार पुत्र राजकुमार 17 जून को छत पर खेलने चला गया था। तभी छत के उपर ये होकर जा रही हाईटेंशन लाइन के करंट से बच्चा बुरी तरह झुलस गया था। परिजन बच्चे को अलीगढ़ ले गए, जहां से दिल्ली के सफदरगंज अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। उसके बाद परिजन बच्चे को राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। वहां पर उपचार के दौरान 22 जून की सुबह सात बजे बच्चे की मौत हो गई। मृतक बच्चा किशन दो भाई बहन में सबसे बड़ा था। उसकी मौत के आद अब केवल तीन साल की बहन उसकी याद में आंसू बहा रही है। परिवार में किशन अकेला बेटा था। बच्चे की मौत से मां शिवानी का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चे की मौत से परिवार में मातम छा गया।

संक्षिप्त समाचार

शामली व्यापारी की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मी बिना अनुमति घूमने पहुंचे राजस्थान एसपी ने की कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली शामली शहर के मोहल्ला ब्राह्मण निवासी मोबाइल फोन विक्रेता दीपक बंसल की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस कर्मियों का बिना अनुमति राजस्थान में घूमने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ एसपी ने दोनों पुलिस कर्मियों को व्यापारी की सुरक्षा से हटा दिया है साथ ही सपा ने इस मामले की जांच सीओ सिटी अमरदीप मौर्य को सोफी है शहर के मोहल्ला ब्राह्मण निवासी मोबाइल फोन विक्रेता दीपक बंसल और सुमित बंसल की फवारा चौक पर दुकान है पिछले महीने 13 में की सुबह सुमित ने जब दुकान खोली तो 20 लख रुपए की रंगदारी की छुट्टी पड़ी मिली 4 दिन बाद फिर से दुकान में रंगदारी की चिट्ठी मिली थी रंगदारी ने देने पर व्यापारी को परिवार समेत जान से मारने की धमकी दी गई इस मामले में दीपक बंसल को दो सशस्त्र पुलिसकर्मी सागर व कर पाल को तैनात किया गया था 1 सप्ताह बाद पुलिस व एसओजी टीम रंगदारी मांगने के आरोप में थाना भवन क्षेत्र के गांव सोटा रसूलपुर निवासी हिस्ट्रीशीटर मेहताब को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था

नदी में भैंस नहला रहे किशोर को खींच ले गया मगरमच्छ, गांव में मचा हड़कंप

गोंडा में सरयू नदी में भैंस नहला रहे एक किशोर को मगरमच्छ खींच ले गया। इससे हड़कंप मच गया। गोताखोर किशोर की तलाश कर रहे हैं। गोंडा जिले की उमरी बेगमगंज के ग्राम पंचायत सोनौली मोहम्मदपुर में भिखारीपुर सकरौर तटबंध स्पर नंबर पांच के सामने सरयू नदी (घाघरा) में भैंस नहलाने गए एक किशोर को मगरमच्छ खींच ले गया सोनौली मोहम्मदपुर चैलहन पुरवा बच्चीमाझा निवासी राजा बाबू यादव रविवार को दोपहर बाद सरयू नदी में अपने मवेशियों को नहलाते हुए नदी पार कर रहे थे। इसी बीच वहां पहले से ही रह रहे मगरमच्छ ने उनको दबोच लिया। जब तक लोग बचाव का प्रयास करते तब तक मगरमच्छ उसे खींच ले गया।इसके बाद वहां पर लोगों की भीड़ जुट गई। एसडीएम राजीव मोहन सहित अन्य अधिकारी पहुंच गए हैं। गोताखोर किशोर की तलाश कर रहे हैं।

रिजर्व पुलिस लाइन बहराइच में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पर्यावरण जागरूकता (एक पेड़ माँ के नाम) हेतु किया गया वृक्षारोपण

क्यूँ न लिखूँ सच - भूपेंद्र तिवारी

रिजर्व पुलिस लाइन बहराइच में आज पर्यावरण जागरूकता हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समुदाय को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने में योगदान करना था। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, बहराइच, ने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद करता है, बल्कि यह हमारे आसपास के वातावरण को भी सुंदर और स्वच्छ बनाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग हमेशा समुदाय की सेवा और सुरक्षा के लिए तत्पर रहता है, और पर्यावरण संरक्षण भी हमारी प्राथमिकताओं में से एक है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर/ ग्रामीण,क्षेत्राधिकारी नगर,प्रतिसार निरीक्षक व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

200 ग्राम नाजायज स्मैक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। थाना सोनवा व एसओजी पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए एक व्यक्ति को 200 ग्राम नाजायज स्मैक के साथ गिरफ्तार किया जिसके अनुमानित कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में 40 लाख रूपये बताई गई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया% ने पत्रकारो को बताया कि एसओजी व थाना सोनवा% पुलिस टीम द्वारा देखभाल क्षेत्र, रात्रि गश्त, वांछित वारंटी की तलाश, संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन की चेकिंग तथा जांच के दौरान %मुखबिर की सूचना पर बहदग्राम के पास, नासिरगंज थाना सोनवा% के पास से एक अभियुक्त को 200 ग्राम नाजायज स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा थाना मऊआइमा का वार्षिक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

थाना परिसर में घूम कर किया मुआयना ,दिए जरूरी दिशा-निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज)पुलिस आयुक्त अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने शनिवार को थाना मऊआइमा का वार्षिक निरीक्षण किया गया । पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा सलामी गार्द से सलामी ली गयी, तत्पश्चात सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण करते हुए

थाना कार्यालय, सी0सी0टी0वी0, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, महिला हेल्प डेस्क, पुलिस बैरक, भोजनालय आदि का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने तथा कार्यालय के अभिलेखों जैसे-विवेचना रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, भूमि-विवाद रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर तथा अन्य अभिलेखों का निरीक्षण कर उन्हें बेहतर व अध्यावधिक करते हुए उनके व्यवस्थित रख-रखाव, मालखाना के समस्त शस्त्रो का परीक्षण व शस्त्रो की स्थिति, थाने पर दाखिल विभिन्न अभियोगों से सम्बंधित माल/वाहनों के सम्बंध में न्यायालय के निर्णयोपरांत विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने, थाने पर आने वाले प्रत्येक पीड़ित/शिकायतकर्ता की शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुनने व उनके प्रार्थना-पत्रों को रजिस्टर में क्रमबद्ध तरीके से अंकित कर उसकी शत-प्रतिशत सुनवाई करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई करने, शस्त्रों का रख-रखाव व नियमित साफ-सफाई करने आदि तथा आगामी त्योहारों मोहर्रम आदि को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु गोष्ठी आयोजित करने के सम्बंध में सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये, निरीक्षण के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त पंकज लवनिया फूलपुर मौजूद रहें ।

इलाहाबाद जन कल्याण समिति के अध्यक्ष ने किया मांग प्रधानमंत्री जी से

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रयागराज में इलाहाबाद जनकल्याण समिति ने किया मांग मस्जिदों, चर्चों, गुरुद्वारों. मंदिर आदि के धार्मिक स्थलों के मौलवियों, इमामों, पुजारियों एवं अन्य धर्मगुरुओं के आर्थिक कल्याण हेतु सहयोग की मांग। इलाहाबाद जन कल्याण समिति अध्यक्ष एडवोकेट मोहम्मद हन्जला उर्फ़ सद्दाम हुसैन भारत सरकार से यह विनम्र अनुरोध करता हु कि हमारे देश के धार्मिक स्थलों पर कार्यरत इमाम, मौलवी, पुजारी, पादरी, ग्रंथी आदि धर्मगुरुओं की आर्थिक स्थिति पर गंभीरता से विचार किया जाए। हाल ही में एक मौलवी पश्चिमी सिंह धूम जिले के चाईबासा मदीना मस्जिद के इमाम शबाज़ अंसारी द्वारा आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या करना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। यह केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं, बल्कि उन सैकड़ों-हजारों धार्मिक सेवकों की वास्तविकता को उजागर करती है जो अपनी सेवा में लगे रहते हैं लेकिन उन्हें पर्याप्त आर्थिक सहयोग नहीं मिल पाता। हमारी समिति निम्नलिखित मांगें करती है- 1. सभी मान्यता प्राप्त धार्मिक स्थलों (मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, मंदिर आदि) को बिजली-पानी जैसे आवश्यक सेवाओं के बिलों से आर्थिक राहत दी जाए या उन्हें माफ किया जाए। 2. मौलवियों एवं इमामों के लिए एक न्यूनतम मानदेय (तनख्वाह) निर्धारित किया जाए, जो उनके जीवन यापन के लिए पर्याप्त हो। 3. धार्मिक कार्य में लगे अन्य धर्मगुरुओं के लिए भी समान स्तर पर आर्थिक सहायता योजना बनाई जाए, जिससे कोई भी व्यक्ति केवल आर्थिक कारणों से आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश न हो। 4. राज्य सरकारों के साथ समन्वय कर स्थानीय प्रशासन को यह निर्देश दिए जाएं कि वे ऐसे मामलों की निगरानी करें और जरूरतमंद धर्मगुरुओं की पहचान कर उचित सहायता उपलब्ध कराएं। 5. मोहल्ले के आर्थिक स्थिति से मजबूत व्यक्तियों से यह निवेदन है कि अपने मोहल्ले के मस्जिदों का इमाम का ख्याल रखें और उनका आर्थिक स्थिति से मजबूत करें यह पहल %सर्वधर्म समभाव% की भावना को मजबूत करेगी और धार्मिक समरसता तथा सामाजिक कल्याण की दिशा में एक सकारात्मक कदम सिद्ध होगी। हमें आशा है कि भारत सरकार इस विषय को गंभीरता से लेकर शीघ्र कार्रवाई करेगी।

27वीं मंजिल पर काम कर रहे दो भाइयों की गिरने से मौत, अंधेरा बना दोनों के लिए काल; परिवार में मातम

पुलिस ने बताया कि शनिवार दोपहर गांव से काम करने आए थे। बताया जा रहा है कि देर रात वो 27वीं मंजिल पर अन्य कारीगर के साथ काम कर रहे थे। तभी अचानक बिजली चली गई। इस कारण वहां पर अंधेरा हो गया। तभी अचानक पैर फिसलने से नोएडा स्थित यमुना सिटी के सेक्टर-25 स्थित निर्माणाधीन की 27वीं मंजिल से गिरकर दो चचेरे भाइयों की मौत हो का काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि तभी अचानक फिसलने से दोनों नीचे गिर गए। किसान नेताओं ने किया अवस्था में दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने पर पहुंचे परिजनों ने कुछ किसान नेताओं के साथ मिलकर आश्वासन पर परिजन शांत हुए। उसके बाद पुलिस ने शवों करते थे यूपीवीसी ग्लास लगाने का काम गाजियाबाद के सुहैल (23) चचेरे भाई हैं और यूपीवीसी ग्लास लगाने का कोतवाली क्षेत्र में यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 25 स्थित लाइट जाने की वजह से गई जान पुलिस ने बताया कि थे। बताया जा रहा है कि देर रात वो 27वीं मंजिल पर अन्य अचानक बिजली चली गई। इस कारण वहां पर अंधेरा हो चचेरे भाई नीचे गिर गए। गंभीर अवस्था में दोनों को मृत घोषित कर दिया। साइट पर नहीं थे सुरक्षा के इंतजाम जानकारी होने पर परिजन और एक किसान यूनियन के कुछ कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिल्डर पर लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। आरोप है कि साइट पर सुरक्षा की उचित व्यवस्था नहीं है। अगर इंतजाम होते तो फिर हादसा नहीं होता। करीब एक घंटे तक परिजनों ने शव रखकर हंगामा किया। परिजनों ने आर्थिक मदद देने के साथ परिवार के सदस्यों को नौकरी देने की मांग की। सूचना पर दनकौर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों को शांत कराया। आर्थिक मदद का आश्वासन मिलने के बाद परिजन शांत हुए। पुलिस का बयान वहीं दनकौर कोतवाली पुलिस का कहना है कि 27वीं मंजिल से गिरने से दो युवकों की मौत हो गई है। अभी परिजनों की तरफ से लिखित शिकायत नहीं दी गई है। शिकायत मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दोनों चचेरे भाई नीचे गिर गए। ग्रेटर प्रोजेक्ट एफ प्रीमियर होम्स एंड सोल गई। दोनों वहां पर यूपीवीसी ग्लास लगाने बिजली आपूर्ति बंद हो गई। अंधेरे में पैर हंगामा आस-पास मौजूद लोग गंभीर उनको मृत घोषित कर दिया। वहीं मौके हंगामा किया। आर्थिक मदद मिलने के को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। दोनों मसूरी गांव निवासी आमिर (19) और काम करते हैं। इस समय दोनों दनकौर निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में काम कर रहे थे। शनिवार दोपहर गांव से काम करने आए कारीगर के साथ काम कर रहे थे। तभी गया। तभी अचानक पैर फिसलने से दोनों अस्पताल लेकर पहुंचे तो वहां डॉक्टरों ने

यूपी में चलती ट्रेन में हत्या: हम बचाते रहे... वो मारते रहे, चश्मदीद और दीपक के दोस्त ने बताई पूरी कहानी

दिल्ली से सहारनपुर जा रही पैसेंजर ट्रेन में यात्री दीपक की हत्या के मामले में पुलिस ने 20 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली-सहारनपुर रेलमार्ग पर फखरपुर से खेकड़ा के बीच सीट को लेकर हुए विवाद में खेकड़ा के दीपक की हत्या पीट-पीटकर की गई थी। दिल्ली से सहारनपुर जा रही पैसेंजर ट्रेन में शुक्रवार रात सीट को लेकर हुए विवाद में पीट-पीटकर खेकड़ा के मामले में जीआरपी ने पांच नामजद समेत इसमें खेकड़ा व बसी गांव के पांचों में पेश कर जेल भेज दिया गया। उत्तराखंड वर्तमान में मोहल्ला अहिरान निवासी वीरेंद्र दुकान पर नौकरी करने के बाद अपने समेत अन्य युवकों के साथ पैसेंजर ट्रेन में ट्रेन जैसे ही फखरपुर रेलवे हाल्ट पर रुकी गांव चला गया। वीरेंद्र ने आरोप लगाया और बसी के 15-20 युवक आए और लगे। सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद शुरू कर दिया। उसने और नितिन ने दीपक ने उनकी भी पिटाई कर दी। हमलावरों की ट्रेन में मौत हो गई। इसके बाद होते ही कूदकर भाग गए। दीपक की संजीव, राहुल, विशाल निवासी बसी, निवासी मोहल्ला रैदासपुरी खेकड़ा और 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। मारपीट में मृतक का साला और दोस्त घायल इसके बाद जीआरपी ने चेकिंग के दौरान संजीव, राहुल, विशाल, प्रियांशु और सिद्धार्थ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में हत्यारोपियों ने सीट को लेकर हुए विवाद में पिटाई करने की बात बताई है। उधर, मारपीट में घायल मृतक के साले वीरेंद्र और दोस्त नितिन का भी उपचार कराया गया। वीडियो में दीपक को बेरहमी से पीट रहे हमलावर ट्रेन में पीट-पीटकर दीपक की हत्या की घटना के दौरान कुछ यात्रियों ने मारपीट की वीडियो भी बना ली। वीडियो में हमलावरों की भीड़ दीपक को बेरहमी से पीटती नजर आ रही है। यही नहीं, बीच बचाव कराने वालों के साथ मारपीट कर धक्के देकर फर्श पर गिरा रहे हैं। जीआरपी ने वीडियो के आधार पर हमलावरों की पहचान करना शुरू कर दिया है। चश्मदीद बोले, हम बचाते रहे, वो मारते रहे ट्रेन में दीपक की हत्या के चश्मदीद वीरेंद्र और उसके दोस्त नितिन ने घटना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से चलने के बाद दीपक और एक अन्य साथी सीट पर बैठ गए, जबकि वे दोनों नीचे फर्श पर बैठ गए। फखरपुर से पहले हमलावरों की उनके एक साथी से कहासुनी हो गई थी, जो फखरपुर रेलवे हाल्ट पर उतर गया। इसके बाद हमलावर इकट्ठा होकर आए, जिन्होंने पहले उनके साथ मजाक की और फिर हमला कर दिया। इस दौरान दोनों मिलकर दीपक को बचाते रहे, लेकिन हमलावर मौत होने तक दीपक को पीटते रहे। नितिन ने बताया कि सीट के विवाद में हमलावरों ने 10 दिन पहले भी उनके साथ झगड़ा किया था, जिसमें दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। घर का इकलौता चिराग था दीपक खेकड़ा निवासी राजेंद्र सिंह ने बताया कि दीपक का परिवार मूल रूप से मेरठ के कंकरखेड़ा का रहने वाला है। उसके पिता ऋषि कुमार यादव की 35 साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद मां संतोषी देवी अपने इकलौते बेटे दीपक और बेटी गुड़िया के साथ खेकड़ा में रहने लगी। दीपक दिल्ली के भगीरथ पैलेस में झूमर के शोरूम में काम करता था। उसके परिवार में मां, पत्नी, बेटी छवि (12) और बेटा चुन्नू (डेढ़ वर्ष) रह गए हैं। मृतक और आरोपी दिल्ली से ट्रेन में ज्यादातर एक साथ आवागमन करते थे। शुक्रवार रात सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गई। इसमें घायल दीपक की मौत हो गई। इसमें पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।-श्वेता आशुतोष ओझा, सीओ जीआरपी

अहिरान मोहल्ले के दीपक की हत्या के 20 के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट के टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और ने बताया कि वह शुक्रवार रात दिल्ली में जीजा दीपक यादव, उसके दोस्त नितिन सवार होकर वापस खेकड़ा लौट रहा था। तो उनका एक साथी नीचे उतरकर अपने कि फखरपुर से ट्रेन चलते ही खेकड़ा उनको सीट से उठाने का प्रयास करने में उन्होंने उसके जीजा दीपक को पीटना को बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों की पिटाई से उसके जीजा दीपक यादव खेकड़ा पहुंचते ही हमलावर ट्रेन धीमी तहरीर मिलने पर बड़ौत जीआरपी थाने में प्रियांशु निवासी निर्भय एंक्लेव और सिद्धार्थ

संक्षिप्त समाचार

दो पक्षों में मार पीट एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम करम्हा बराबीर निवासी राजेश कुमार पुत्र श्याम लाल सरोज का आरोप है कि वह अपना सूखा नीम का पेड काट रहा था तथी विपक्षी लाठी डंडा लेकर मारे पीटे जान से मारने की धमकी देते हुए जाति सूचक गालियां दी। राजेश कुमार सरोज ने मऊआइमा थाने में श्मायू पटेल करन, पटेल ,सन्तोष पटेल के खिलाफ मार पीट एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दिया है।उधर दूसरे पक्ष के सौरभ पटेल पुत्र वीरेंद्र पटेल का आरोप है कि उन्हें भी मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने सौरभ पटेल की तहरीर पर राजेश कुमार और उसकी पत्नी हीरावती के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

दलित महिला उसके परिजनों को जाति सूचक गालियां दी गई अश्लील करते हुए रिवाल्वर तानी, तहरीर

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव की एक दलित महिला ने आरोप लगाया है कि गांव के दबंगों ने पहले उसकी जमीन हड़पने की कोशिश किए।जब विफल रहे तो मन्दिर पर पंचायत बुलाई। दलित महिला का आरोप है कि पंचायत के नाम पर उसके साथ अश्लीलता की गयी ईट पत्थर चलाए गए।और जाति सूचक गालियां देते हुए रिवाल्वर निकाल कर मार डालने की धमकी दी गई। दलित महिला का आरोप लगाया है कि ईट पत्थर से उसके निती और परिवार के एक अन्य को गंभीर चोटें आयी है। दलित महिला ने आरोप लगाया कि दबंगों की करतूतें वीडीयो में कैद हो गई है। महिला ने मऊआइमा थाने में कतिपय दबंगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पुलिस तहरीर लेकर जांच कर रही है।

जहरीला पदार्थ खानें से महिला की हालत बिगडी

क्यूँ न लिखूँ सच- श्याम जी कश्यप

फरूखाबाद उत्तर प्रदेश-फर्रुखाबाद मोहम्मदाबाद जहरीला पदार्थ खानें से बिगड़ गयी7 ि न ज ी किया गया7 गया7 लोहिया नें दम तोड़ के मोहल्ला

महिला की हालत पहले महिला को अस्पताल में भर्ती जहाँ से लोहिया भेजा अस्पताल में महिला दिया 7कोतवाली क्षेत्र रविदास नगर निवासी 38 वर्षीय सोनम पत्नी मुकेश उर्फ बब्लू जाटव सुबह लगभग 11 बजे घर में अचानक तनाव में आकर जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गयी7 आनन-फानन में परिजन पहले निजी अस्पताल लेकर आये लेकिन चिकित्सक नें जहाँ हालत ज्यादा नाजुक होनें पर लोहिया भेजा गया7 लोहिया में उसकी उपचार के दौरान मौत हो गयी7 लोहिया से पुलिस को सूचना दी गयी7 मृतका सोनम पुत्री गुरुचरण निवासी औरंग गुरुस्वामी थाना बिल्हौर 2003 में मुकेश से हुई थी7 बबलू का सोनम से दूसरा विवाह हुआ था7 पहली पत्नी की मौत साल 2001 में हो गयी थी7 पहली पत्नी का एक पुत्र ऋषभ है जिसकी डेढ़ माह पूर्व शादी हुई थी। मृतका के 18 वर्षीय पुत्र विनय व पुत्री 6 वर्षीय अंशिका है7 मृतका की सास शकुंतला देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया7 दारोगा उदय पाल सिंह राजावत ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

महिला के पेट में घूसी प्लेट को आपरेशन कर उसे सकुशल निकाला

क्यूँ न लिखूँ सच- श्याम जी कश्यप

फरूखाबाद उत्तर प्रदेश-महिला के पेट में घूसी प्लेट को आपरेशन कर उसे सकुशल निकाल कर गरीब महिला की जाँच बचाने वाले लोहिया अस्पताल के सर्जन मेजर रोहित तिवारी को सम्मानित किया गया7 उन्होने कहा कि वह इस तरह के आपरेशन कई बार

कर चुके हैं 7सनातन संघर्ष समिति के पदाधिकारी लोहिया अस्पताल पंहुचे7 जहाँ उन्होंने सीएमएम अशोक प्रियदर्शी के कक्ष में डा. रोहित तिवारी को शिवम दुबे, संजीब त्रिपाठी, सभासद अनिल तिवारी आदि ने पटका पहनाकर और तिरंगा भेट कर स्वागत किया7 डा. रोहित तिवारी नें कहा कि इस तरह के कार्य उनके भीतर ऊर्जा का संचार करते है7 वह आगे भी मरीजों को बेहतर सेवा देते रहेंगे7 दरअसल बीते 31 मई को खाना बनाते समय सिलेंडर फटने से महिला के पेट में प्लेट घुस गयी थी7 जिसका आपरेशन करके उसकी जान बचायी गयी7 जिसकी काफी सराहना हुई थी7 समिति के लोगों नें गरीब महिला की आर्थिक मदद भी की7 रामवीर सिंह चौहान,नीरज कटियार, आशु राठौर, मलय कटियार, राहुल उपाध्याय, गौरव सक्सेना, हिमांशु श्रीवास्तव, जादूगर करुणाशंकर गोगा अभिषेक बाजपेई शशांक राजपूत विकास गुप्ता आदि रहे7

How many hours of sleep is required for a child of which age? What are the disadvantages of not getting enough sleep, know everything

Does your child stay awake till late at night or looks tired even during the day? Just like adults, children also need adequate sleep at night, it is necessary for both their physical and mental development. Let us know how much sleep do children need at what age? To keep the body healthy, it is necessary to keep both the routine and diet right, along with this it is important to get adequate sleep every night. Research shows that people who do not get enough sleep may be at a higher risk of many types of physical and mental health problems. Good sleep at night is necessary for everyone from children to the elderly. Studies show that 6-8 hours of sleep every night is very important for adults. If you do not get enough sleep even for a day, it can have a negative effect on your health. Just like adults, children also need adequate sleep at night, it is necessary for both their physical and development. Does your child stay awake till late at night or looks tired during the day? Then this may be a sign that he is not getting enough sleep. The role of sleep in the development of children is as important as nutrition and studies. Let us know how much sleep children need at what age? Good sleep is necessary for the good health of children. Health experts say, parents should ensure that your children are getting enough sleep. This is necessary for everyone from newborns to teenagers. During sleep, the body produces growth hormones, which help in increasing bones, muscles and height. Apart from this, good sleep helps the brain to understand and remember things learned throughout the day. Some research also suggests that children who get adequate sleep are less irritable and handle emotions better. The relationship between good sleep and good immunity is also known. Research shows that getting adequate sleep strengthens the body's immunity, which protects the child from diseases. Many side effects of lack of sleep Children who do not get enough sleep are at risk of many types of physical and mental health problems. If children are not getting enough sleep, their development can be affected. Lack of growth hormone affects the physical development of the child. Not only this, his memory may weaken later on and it becomes difficult to concentrate while studying. Lack of sleep activates hunger-increasing hormones, which increases obesity. Obesity causes many types of problems related to diabetes, heart disease and inflammation. Health experts have been alerting everyone about the problem of increasing obesity in children. How many hours of sleep is necessary according to age Health experts have told on the basis of many studies that how many hours of sleep is necessary at night for newborns to teenagers? Newborn (0–3 months) 14–17 hours Infants (4–11 months) 12–15 hours Toddlers (1–2 years) 11–14 hours Pre-schoolers (3–5 years) 10–13 hours School-age children (6–13 years) 9–11 hours Teens (14–17 years) 8–10 hours Risk of diabetes due to lack of sleep In a recent study, researchers said that people who do not get enough sleep may be at a higher risk of diabetes. According to the report of this study, published in the journal Diabetes Care, sleep is very important for our health. Irregular sleep for even a week can increase the risk of type 2 diabetes by 34 percent in middle-aged and older people.

Powder foundation has become the first choice of women, know its benefits and method of use

If you do not know how to apply foundation properly, then try powder foundation once instead of simple foundation. It will definitely benefit your skin. For women, makeup is not just a product to enhance beauty, it also increases their confidence. This is why women of all ages like to do makeup a lot. In today's time, makeup has also started coming in many types. Like till one time the foundation used to be cream based, but now women have inclined towards powder based foundation. It is easy to use, and it also makes the face look blooming. But even today many women are not aware that powder foundation is also something. Therefore, here we will give you information about this. We will tell you what are the benefits of using powder foundation and how it is used. What is powder foundation? If you also want to use it, then first know what it is. Actually, this is a makeup product that is used to give a smooth, matte and even tone look to the face. After using it, you do not need to use powder on the face. It can be applied with the help of a brush, puff or sponge. Apply it like this: First step - To apply it, first of all you have to prepare your face as usual. Wash your face and first apply moisturizer on it. After this, use a primer, so that your foundation lasts for a long time. Third step - After choosing the right tool, apply a small amount of powder foundation on the face and blend it properly on the entire face. Remember that this is the most important step. Apply powder foundation evenly on the entire face, so that no patch is visible on the face. It is just applied, now after this you can do other makeup. These are its benefits Now let's know what are the benefits of powder foundation. Actually, first of all it is very travel-friendly, so it is easy to carry. Especially for people who have oily skin, it is considered the best. If you like to do makeup daily, then also use it. This will give you instant glow.

If you are selling your old mobile, then wait and do these 4 things first, otherwise you may get into trouble

If you also have an old mobile and you are planning to sell it to a shop or to someone, then during this time it becomes necessary for you to keep some things in mind. Otherwise you may also get into trouble in the future. If seen, in today's time almost every work is being done with mobile phone. Apart from calling-messaging someone, whether it is banking related work or spending time on social media or entertaining yourself or playing games, many other works are easily done on mobile. But many times people sell their old mobile and buy a new mobile. Actually, from time to time many new types of mobiles keep coming in the market which are equipped with new features. That is why people buy these mobiles. In such a situation, someone gets his old mobile exchanged, while someone sells the mobile to a store that buys old mobiles. Not only this, many people sell the mobile to someone else. In such a situation, if you are also selling your old mobile, then do these 4 things first. Otherwise you may have problems later. Do these things before selling: - First thing, if you are also selling your old mobile, then know that there is a Google or Gmail ID in the mobile which is necessary to remove. If you do not do this, then your data can go into other hands, which can also be misused. Therefore, remove your ID from the mobile carefully. Second thing Most people use mobile to click photos and make videos. Not only this, many people also have many of their personal photos and videos in it. Therefore, before selling the mobile, remove all these from the gallery and empty the entire storage so that they do not remain anywhere. Otherwise your data can go into other hands. Third thing If you have deleted all the data from your mobile, then now it is time to reset it. Actually, this is the most important process. By doing this, if something is left in the mobile, then all the data is removed and the mobile becomes brand new again. Therefore, if you are selling your mobile, then do these things so that none of your data in your mobile can go to anyone else. Fourth task: Now that you have done all the tasks, it is now the turn to sell the mobile. If you are selling your mobile at a store or giving it to a friend or an unknown person, then you must take a proof which shows that you have sold your mobile. In such a situation, if any wrong activity happens with that mobile in the future, you will not get into trouble.

Diana has been in a relationship with Harsh Sagar for 12 years, said- 'I am married in my mind'

Diana Penty talked about her love life and told that she has been living with her boyfriend for the last several years. However, she is in no hurry to get married. Actress Diana Penty, known for films like 'Cocktail' and 'Happy Bhag Jayegi', is in the news these days for her upcoming film 'Detective Sherdil'. Meanwhile, the actress talked about her love life and her plans for marriage. Diana has known Harsh for 22 years During a conversation with Hatterfly, Diana Penty spoke openly about her relationship with Harsh Sagar. The actress revealed that she has been in a serious relationship with Harsh Sagar for more than ten years. She said that I have never been interested in a casual relationship with anyone. I am old-fashioned. On the question of making her relationship public, she said that I am not going to go to the roof and give a speech about it. Harsh and I have known each other for 22 years and have been together for 12 years. There is no pressure for marriage- On the question of her relationship and marriage, Diana said that I am not married, but in my mind I am married. It is the same thing. You are respecting the relationship in the same way. No one in my or Harsh's family puts pressure for marriage. They support us and they also believe in being happy more than marriage. However, I have no problem with marriage, but we live together. We also have a dog. Even without any formalities or documents, our relationship is like marriage. Diana will be seen in 'Detective Sherdil'- Diana Penty, who started her career with Deepika Padukone and Saif Ali Khan in the 2012 film 'Cocktail', has worked in many films in her career. Now she will be seen with Diljit Dosanjh in the upcoming film 'Detective Sherdil' directed by Ravi Chhabria. This film is going to be released on OTT platform ZEE5 on June 20.

Lost father, mother gave courage; now will represent India in Miss Supranational 2025

The whole country's eyes are on Ayushree Malik. She is representing India in 'Miss Supranational 2025'. Let's know how her journey was till here. Ayushree Malik, a resident of Delhi, has become an example for millions of girls today. When she was just 7 years old, her father died in a road accident. At that age, when children expect the most love and support, Ayushree felt the biggest emptiness of her life. But her mother, who is a police officer, took care of her. She made her daughter so strong that today the same daughter is going to make India proud on one of the biggest platforms in the world. Ayushree has won the title of 'Liva Miss Diva Supranational 2024'. Now she will represent India in Poland in 'Miss Supranational 2025'. There is not only hard work behind this achievement. There is an emotional journey and a lot of struggle behind this. I am the daughter of a single mother. Talking about her struggle in the conversation, Aayushree said, 'I am the daughter of a single mother. The way my mother balanced her job and my upbringing is commendable. I have grown up in an environment of patriotism since childhood. I was always taught that doing something for the country is the biggest thing. Today when I have got a chance to represent India, it is a matter of great pride for me. 'Brave Hearts' born from father's death - Aayushree further shared the pain of losing her father and said, 'Losing my father was the biggest shock for me. At that age, all I understood was that my world had changed. But I made that pain my strength. I started a campaign called 'Brave Hearts'. This is for those children who have lost someone close to them. So far we have reached hundreds of families. There we gave emotional support, scholarships and a safe place to talk openly. We often mourn those who die, but no one listens to those who are alive and suffer every day. 'Brave Hearts' is my attempt to give voice to such people.' How do you manage studies, sports and pageants together? - How do you manage both your studies and work? On this question, Ayushree said, 'Discipline is the biggest strength for me. Studies are my foundation, sports are my strength and pageants are my voice. I remain fully involved in every work. Be it studies, basketball match or ramp walk.' Ayushree is studying Psychology from Delhi University - Ayushree is studying Psychology from Delhi University. She had scored 96% marks in 12th. She is an inter-zonal basketball player. She has also been a zonal debate champion. She has also worked with many big designers on platforms like Times Fashion Week. This is how she is preparing for Miss Supranational 2025- Regarding her preparation for Miss Supranational 2025, Ayushree said, 'I am preparing not just for the competition but to connect with people. I am preparing my body with fitness. I am taking care of my mind with meditation. And I am making myself strong by helping others. I know that on this platform, not just beauty, but thinking and emotional connection matters more.' This advice of the mentor changed the thinking Recalling an incident, Ayushree said that once my mentor told me - there is no need to speak loudly to become strong. This one thing changed my thinking. I learned that quiet confidence and truth are more effective. Now I remember this thing on every stage and every occasion. Relationship between psychology and 'brave hearts'- Ayushree said, 'Psychology taught that understanding is the first thing. Only then does healing begin. At Brave Hearts, we use empathy to help children. Listen carefully. And work with a proper understanding of trauma. Mental health is not a luxury, it is a necessity. Especially when you want to give someone the courage to live again.' Message for the girls of the country - Giving a message to the rest of the girls of the country, Aayushree said, 'Your dreams are true. Your voice is also true. Don't let anyone tell you that you are weak. Move forward with hard work. Show your wounds proudly. Dignity does not mean weakness. This is your real strength. If I can do this, you can do it too. Keep getting up, keep moving forward.'

Kajol's daughter Nysa Devgan is going to debut in acting? The actress made this revelation

Bollywood actress Kajol is currently in the news for her upcoming film 'Maa'. Now the actress has talked about her daughter Nysa Devgan's career. Let's know. Famous cinematic actress Kajol is currently busy promoting her upcoming film 'Maa'. This film is going to be released in theaters soon. Nowadays star kids are seen debuting in the film world. Now in this episode, Kajol has also talked about her daughter Nysa Devgan's interest in acting. Let's know what she said. Is Nysa going to step into acting? Recently Kajol attended an interview with Filmigyan, where she talked about her daughter. The actress was asked whether she is also planning to bring her daughter into films like other parents. In response to this, the actress said, 'No, I don't think she will do so, she has no interest in films. I love all the children in my family and I want them to do what makes them happy and what they think they will be successful in.'Kajol told this about the children- In the further conversation, Kajol said, 'My children do not like my pictures because I have to cry in them and their mother crying on screen. Nysa and Yug get very scared seeing me crying. I have told them that all this is a lie but they do not understand.' When will the film be released?- The film Maa is the sequel to the universe of 'Shaitan' and shows to what extent a mother goes to save her child from supernatural powers. The film has been produced by Ajay Devgan, Jyoti Deshpande, Jio Studios. Apart from Kajol, Ronit Roy, Indranil Sengupta, Jitin Gulati, Gopal Singh, Suryasikha Das, Yaani Bhardwaj, Rupakatha Chakraborty and Kherin Sharma will be seen in supporting roles in the film. The film will be released on June 27, 2025 in Hindi, Tamil, Telugu and Bengali.